दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -74 जबलपुर, गुरूवार 17 अप्रैल 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

लाड़ली बहनों के खाते में आए 1552 करोड़ रुपए, सीएम.मोहन यादव ने मंडला से की जारी, नव-दम्पति को दिया आशीर्वाद

बहनों को दिलाएंगे उनका पूरा हक-मुख्यमंत्री

राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में आधी आबादी की पूरी भूमिका हो - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दहेज, मृत्युभोज से बचें, अपने बच्चों को पढ़ायें-लिखायें और समर्थ बनाएं

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माताओं, बहनों और बेटियों के हित में हमारी सरकार हमेशा उनके साथ हैं। इनके लिए सरकार कोई कसर नहीं रखेगी। बहनों को हमारी सरकार उनका हर वाजिब हक दिलायेगी। राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास में आधी आबादी की पूरी भूमिका हो, इसे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। देश की राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़े, इसके लिए आगामी वर्षों में लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का लाभ मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार पहले ही निकाय चुनावों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू कर चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंडला जिले के टिकरवारा गांव में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहाँ आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की लाड़ली बहनों सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक के जरिए 2500 करोड़ से अधिक की सम्मान एवं सहायता राशि अंतरित की। उन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयनित होने के लिए सुश्री शुचि उपाध्याय का मंच से अभिनंदन भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न योजनाओं में हितलाभ और युवाओं को नियुक्ति-पत्र भी वितरित किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश की 1.27 करोड़ बहनों को 1552.38 करोड़ रुपए, 56.68 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 340 करोड़ रुपए, प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना में पात्र 25 लाख बहनों को 450 रुपए में सिलेंडर रिफिलिंग के लिए 57 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की गई। सरकार द्वारा अब तक लाड़ली बहनों को 36 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक की सम्मान राशि प्रदान की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंडला के विकास को गति देने के लिए

परिणय सूत्र में बंधे 1100 नवविवाहित दंपत्तियों को दिया आशीर्वाद

232 करोड़ रुपए की लागत वाले 66 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंडला जिले में सुरखी-इंद्री मार्ग पर 16 करोड़ 61 लाख रुपए की लागत से नया पुल बनाने और बंजर नदी में नवनिर्मित एक अन्य पुल का लोकार्पण कर इसका नामकरण अमर शहीद शंकर शाह रघुनाथ शाह सेतु करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडला के विकास में सरकार कोई भी कमी नहीं छोड़ेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह में परिणय-सूत्र में बंधे 1100 से अधिक नवविवाहित दंपत्तियों पर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आज नवविवाहित दंपत्तियों को 49-49 हजार की राशि प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 16 संस्कारों में विवाह सबसे बड़ा होता है। नवदंपत्ति नए संकल्पों के साथ सपनों का संसार बसाने के लिए आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में कमाई का एक हिस्सा बचाएं जिससे भविष्य में अपने साथ बच्चों का भविष्य भी सुरक्षित हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोगों से विवाह समारोह पर बेहिसाब खर्च से बचने का सुझाव देते हुए कहा कि कन्या विवाह/निकाह योजना के सामूहिक विवाह में शामिल होकर कोई भी कम खर्च में धूमधाम से शादी कर सकता है। उन्होंने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं किसानों को शादियों में टीका, दहेज और मृत्यु भोज के लिए कर्ज न लेने की सलाह दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी कुरीतियों से समाज का विकास बाधित होता है। इसके बजाय सभी जनजातीय बंधु अपने बच्चों को पढ़ायें, लिखायें और उन्हें अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए समर्थ बनायें।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल पर चार्जशीट का विरोध; कहा- मोदी, शाह धमका रहे

कांग्रेस का देशभर में ईडी ऑफिस के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली-(आरएनएस)। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को 24, अकबर रोड स्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया और नेशनल हेराल्ड मामले में वरिष्ठ पार्टी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट के बाद भाजपा नीत केंद्र सरकार की निंदा की। हालांकि, केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पार्टी कार्यालय के बाहर हिरासत में ले लिया। पार्टी नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि हमारे लोग आक्रोशित हैं, जनता आक्रोशित है, कांग्रेस कार्यकर्ता आक्रोशित हैं। 12 साल पुराने झूठे मामले में आपको चार्जशीट दाखिल करने की याद आखिरी दिन आई।

श्रीनेत ने आगे कहा कि आपने उस चार्जशीट में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए, जिसमें एक पैसा भी लॉन्ड्र नहीं हुआ था, जहां एक भी संपत्ति ट्रांसफर नहीं हुई थी, जहां यंग इंडिया एक गैर-लाभकारी संगठन है। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि यह नरेंद्र मोदी की बदले की राजनीति है। हम इसका सामना अदालत में करेंगे। लेकिन आप लोगों का गुस्सा, हमारे कार्यकर्ताओं का गुस्सा देख सकते हैं। यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमारे नेताओं और हमारे द्वारा उठाए गए

सभी मुद्दों से डरे हुए हैं। वह कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे से डरे हुए हैं। राहुल गांधी ऐसे व्यक्ति हैं जो आपसे नहीं डरते। यह एक फर्जी मामला है। राहुल गांधी द्वारा उठाए गए मुद्दों ने आपकी पोल खोल दी है। पार्टी सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि जिस एजेंसी के ज़रिए लड़ाई को कोर्ट में ले जाया गया है, उसकी मंशा सिर्फ़ विपक्ष को परेशान करने की है। गुजरात में एक सत्र होता है, राहुल गांधी मोडासा पहुंचते हैं और यहां चार्जशीट दाखिल होती है। आप घटनाक्रम समझिए। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार चुनाव, गुजरात में कांग्रेस की सक्रियता, आगामी असम चुनाव में बीजेपी की संभावित हार और विपक्ष की सतर्कता के मद्देनज़र बीजेपी विपक्ष को पूरी तरह से कुचलना चाहती है।

ईडी के चालान में सोनिया-राहुल के नाम आने से गरमाई राजनीति, जीतू पटवारी ने एजेंसी को भाजपा का तोता

भोपाल (आरएनएस)। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का नाम चालान में आने के बाद प्रदेश की राजनीति बुधवार को गरमा गई। कांग्रेस ने इसके विरोध में मध्यप्रदेश के सभी जिलों और तहसीलों में प्रदर्शन किया। राजधानी भोपाल में ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय के बाहर हुए प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में भारी संख्या में कार्यकर्ता जुटे। वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए इसे गांधी परिवार को बचाने की 'राजनीतिक नौटंकी' बताया।

जमीन खरीद केस में दूसरे दिन ईडी के सामने रॉबर्ट वाड्रा की पेशी, बोले

हम किसी से डरते नहीं हैं

नई दिल्ली-(आरएनएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कारोबारी रिश्तेदार रॉबर्ट वाड्रा 2008 के हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को लगातार दूसरे दिन प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश हुए। उनके साथ उनकी पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं, जो केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद हैं। रॉबर्ट वाड्रा के ईडी कार्यालय में जाने से पहले दोनों ने गले मिलकर अभिवादन किया। हालांकि, वाड्रा ने इससे पहले कहा कि मैं एजेंसी की ओर से दूसरा समन देखकर हैरान था क्योंकि मैं इसी मामले के संबंध में एजेंसी के सामने पहले ही 15 बार पेश हो चुका हूं। मुझसे 10 घंटे तक पूछताछ की गई, और मैंने 23,000 दस्तावेज दिए।

रॉबर्ट वाड्रा ने आगे कहा कि मैंने एजेंसी को 2019 के अपने बयान दिखाए कि आप वही सवाल पूछ रहे हैं जिनका मैंने 2019 में जवाब दिया था, और एजेंसी के लोग भी चौंक गए। मैं बस इतना कह सकता हूं कि एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं देश छोड़कर भागने वाला नहीं हूँ। मैं सभी सवालों के जवाब दूंगा। मुझे कोई दिक्कत नहीं है, जितनी एजेंसीज का इस्तेमाल करना है कर लो। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को उनसे करीब पांच घंटे तक पूछताछ की गई और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत संघीय जांच एजेंसी ने उनका बयान दर्ज किया। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को सत्र फिर से शुरू होगा। 56 वर्षीय वाड्रा ने ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया था।

'पीएम मोदी हिंदुस्तान को नहीं बदल सकते'

वक्फ कानून पर इमामों से मुलाकात के बाद बोलीं ममता बनर्जी

नई दिल्ली (आरएनएस)। वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट (सष्ट) में सुनवाई होगी। कुल 72 याचिकाएं हैं, जिन पर भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की तीन न्यायाधीशों की पीठ सुनवाई करेगी। इनमें कुछ याचिकाएं वक्फ बिल के समर्थन वाली भी हैं। बता दें, संसद से वक्श संशोधन बिल पारित होने के बाद से देश में हंगामे की स्थिति है। आलोचकों का तर्क है कि यह कानून मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और मुसलमानों की संपत्तियों को जब्त करने का प्रयास है, जबकि सरकार का कहना है कि वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए संशोधन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इमामों के साथ बैठक में कहा कि मुर्शिदाबाद जिले के कुछ इलाकों में वक्फ अधिनियम को लेकर कुछ अशांति हुई। उन्होंने कहा कि विपक्ष दावा कर रहा है कि तृणमूल कांग्रेस वक्फ हिंसा में शामिल है, अगर ऐसा होता तो उसके नेताओं के घरों पर हमले नहीं होते। ममता ने दावा किया कि संसद में वक्फ कानून के खिलाफ लड़ाई में तृणमूल कांग्रेस सबसे आगे थी। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति में सभी धर्मों के लोगों ने भूमिका निभाई है,

छत्तीसगढ़ में कवर्धा कलेक्टर ऑफिस को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी

कवर्धा (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में उस समय हड़कंप मच गया, जब जिला कलेक्टर कार्यालय को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी भरा एक ईमेल मिला। यह धमकी भरा मेल कथित तौर पर कश्मीर से भेजा गया है, जिसमें दोपहर 2:30 बजे तक का समय दिया गया है। मेल में तमिलनाडु में एआईएडीमके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी की हत्या की साजिश का भी जिक्र है। धमकी में कहा गया है कि यह हमला तमिलनाडु से ध्यान हटाकर छत्तीसगढ़ की ओर मोड़ने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। मेल के अनुसार, यह साजिश अंतरराष्ट्रीय संगठन कार्टेल और तमिलनाडु के कुछ भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा रची गई है, जिसमें आरएक्स-एस गैलीलियो रिमोट कंट्रोल सिस्टम के जरिए विस्फोट को अंजाम देने की बात कही गई है।

राजकोट में सिटी बस की टक्कर से 3 की मौत, आक्रोश, हालात काबू करने पुलिस ने किया लाठीचार्ज

राजकोट. गुजरात के राजकोट में इंदिरा सर्किल के पास बुधवार 16 अप्रैल की सुबह एक लापरवाह सिटी बस चालक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी. हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे से गुस्साए लोगों की भीड़

भारी बवाल के बीच नासिक में अवैध दरगाह पर चला बुलडोजर, पुलिस पर पथराव, 31 घायल

नासिक (आरएनएस)। नासिक नगर निगम ने आज सुबह नासिक में सात पीर बाबा दरगाह को ध्वस्त कर दिया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए दरगाह को अनधिकृत पाते हुए इसे हटाने के आदेश जारी किए थे। पुलिस का कहना है कि निवासियों और ट्रस्टियों ने खुद ही दरगाह को हटाने का फैसला किया था और कल देर रात वे इसके लिए एकत्र हुए थे, तभी भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान पथराव में 31 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले दागे। हिंसा के सिलसिले में अब तक 22 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। नासिक नगर निगम द्वारा यह तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। 40 कर्मियों वाली नगर निगम टीम के साथ चार जेसीबी, आठ डंपर और सात वाहन थे। पुलिस उपायुक्त किरण चव्हाण के अनुसार, अवैध संरचना को हटाने के लिए एक टीम पहुंची थी। हालांकि, भीड़ ने विरोध करना शुरू कर दिया। हालांकि दरगाह के ट्रस्टी और एक प्रमुख नागरिक ने उन्हें शांत करने की कोशिश की, लेकिन भीड़ ने उनकी अपील को नजरअंदाज कर दिया

बिहार के मुजफ्फरपुर में दलित बस्ती में लगी भीषण आग, 5 की मौत, मृतकों में 4 बच्चे, 15 बच्चे अभी लापता

मुजफ्फरपुर.(आरएनएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर में बुधवार एक दलित बस्ती के 50 से अधिक घरों में आग लग गई. हादसे में 4 बच्चे समेत 5 लोगों की झुलसकर मौत हो गई है. घटना बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मनी पंचायत की है. बताया जा रहा है कि गोलक पासवान के घर में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी और देखते ही देखते पूरे झुग्गी के इलाके में फैल गई.

मुजफ्फरपुर के डीएम सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि गांव के गोलक पासवान में घर में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग

लगी थी. जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक तेज हवा की वजह से आग काफी तेजी से फैल गई. आग लपेटें ज्यादा तेज थी. जिस कारण बच्चे डर गए. बाहर नहीं निकल पाए और आग की चपेट में आ गए. डीएम ने आगे बताया कि आग लगने से 4 बच्चों और एक व्यक्ति की मौत हो गई है. मौके पर एसडीएम को भेजा गया है. मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा और 2 दिनों तक लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था कराई गई है. बच्चों की उम्र 8 से 12 साल के बीच स्थानीय लोगों ने बताया कि राजू पासवान नामक व्यक्ति के 3 बच्चों की झुलसकर मौत हो गई है. इन बच्चों की उम्र 12 साल, आठ साल और नौ साल है. घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई है. अग्निशमन की टीम मौके पहुंचकर रेस्क्यू में जुटी है. दर्जनों घर जलकर राख हो गए. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए स्यरूष्ट॥ भेज रही है. समय से नहीं पहुंची अग्निशमन की टीम और पुलिस ग्रामीण राकेश ने बताया कि जब आग लगी तो थाने को दी गई, लेकिन कोई मौके पर नहीं पहुंचा. अग्निशमन की टीम भी जब मौके पर पहुंची, तब तक आग पर लगभग काबू पा लिया गया था. एक साथ चार बच्चे की झुलसने से मौत हो गई है. हालांकि 15 बच्चे अब तक लापता है. इन बच्चों की खोजबीन की जा रही है.

यात्रियों को राहत - अब चलती ट्रेन में भी यात्री निकाल सकेंगे पैसे, रेलवे ने शुरू की एटीएम सुविधा

नई दिल्ली. अक्सर लंबी दूरी की यात्रा के दौरान नकदी की कमी महसूस होती है. यात्रियों की इसी परेशानी को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने एक अनूठी पहल की है. अब ट्रेन में सफर करने वाले यात्री भी आसानी से ज़रू से पैसे निकाल सकेंगे. रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए चलती ट्रेन में ज़रू सेवा शुरू करने की तैयारी कर ली है और फिलहाल इसका

बुंदेलखंड में प्रशासन करे सुनवाई, इसलिए कोई लुढ़कते हुए तो कोई घुटनों के बल पहुंचा कार्यालय

छतरपुर (आरएनएस)। प्रशासन की जनसुनवाई में शिकायती आवेदन पर गंभीरता से गौर हो, इसलिए लोग तरह तरह के जतन कर रहे हैं। मंगलवार को बुंदेलखंड से ऐसे ही दो मामले सामने आए, जहां अतिक्रमण की शिकायत को लेकर छतरपुर में एक महिला लुढ़कते हुए तो निवाड़ी में एक युवक पैड भरते हुए पहुंचा। छतरपुर में जिला पंचायत सभाकक्ष में जनसुनवाई में पहुंची पहरा गांव निवासी हीरामनि गुप्ता को परिसर में लगभग 25 फीट तक लुढ़कते हुए आते देख

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गढ़ा में आज रात में सुशील झारिया उम्र 41 वर्ष निवासी काजी मोहल्ला छोटी बजरिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आज रात लगभग 00-10 बजे वह अपने घर के बाहर खड़ा था तभी शाहिद शाह अपने भाई राशिद शाह के साथ आकर बोला कि शराब पीने के लिये एक हजार रूपये दो, उसने रूपये देने से मना किया तो दोनों उसके साथ गाली गलौज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर शाहिद शाह ने डंडा से हमलाकर मुंह दांत होठ तथा वायें कान के पास चोट पहुँचा दी उसका भाई प्रमोद झारिया एवं गनेश झारिया बीच बचाव करने आये तो राशिद ने डंडा से हमलाकर प्रमोद झारिया के सिर हाथ कंधा में तथा गनेश पटैल को शाहिद ने

कांग्रेस कमेटी एवं ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने विशाल विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर कांग्रेस की राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता श्रीमती सोनिया गांधी जी एवं श्री राहुल गांधी जी के विरुद्ध प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के माध्यम से दुर्भावनापूर्ण चार्जशीट दायर की गई है। यह लोकतंत्र, सत्य और न्याय के मूल्यों पर सीधा प्रहार है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी के निर्देशन में आज शहर जिला कांग्रेस कमेटी एवं ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में कलेक्ट्रेट कार्यालय, जबलपुर में विशाल विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। सौरभ नाटी शर्मा (अध्यक्ष, नगर कांग्रेस कमेटी) ने कहा कि भाजपा द्वारा लोकतंत्र की आवाज़ को दबाने का यह प्रयास कांग्रेस कार्यकर्ताओं के हौसले को कभी नहीं तोड़ सकता। गांधी परिवार ने देश के लिए जो त्याग दिए हैं, उन्हें भुलाया नहीं जा सकता।

डॉ. निलेश जैन (अध्यक्ष, ग्रामीण कांग्रेस कमेटी) ने कहा कि भाजपा सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम कर रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी दृढ़ता के साथ इसके खिलाफ संघर्ष करेंगे। विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि यह चार्जशीट राजनीतिक परिदृश्य को विकृत करने की एक कोशिश है। कांग्रेसजनों ने हर दौर में सत्य का साथ दिया है और आगे भी देते रहेंगे। प्रदर्शन में शहर व ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों कांग्रेसजनों की सक्रिय उपस्थिति रही, जिन्होंने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की तथा जनभावनाओं को मुखर किया।

अंत में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल द्वारा राष्ट्रपति महोदय के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें चार्जशीट तत्काल निरस्त करने की मांग की गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री कौशल्या गोटिया, दिनेश यादव ,रमेश चौधरी, अंजू बघेल, वीरेंद्र चौबे, मुकेश राठौर, राजेश सोनकर, झलले लाल जैन, अतुल बाजपेई ,अमरीश मिश्रा, गुड्डू नबी ,संतोष पांडा, अयोध्या तिवारी, कमलेश यादव, इंदिरा पाठक तिवारी, सतीश तिवारी, विजय रजक, तेज कुमार भगत, मतीन, अंसारी गुड्डू चौबे, आजम अली, आरिफ बेग,ताहिर अली, रिंकू यादव, अभिषेक चंदेल , अनुपम जैन, अख्तर अंसारी, वकील अंसारी, विकी जॉन, अनुराग गढ़वाल ,पंकज पांडे , अमरचंद बावरिया ,बंटी रितेश गुप्ता, बलविंदर मान, अभिषेक चंदेल, रविंद्र गौतम ,अभिषेक पाठक, रिजवान अली, रुक्मणी गोटिया ,अनुभव शर्मा, समरजीत सिंह ,फिरोज ठाकरे, अनुज श्रीवास्तव, अरुण पवार ,, नेतरंजन खमरिया ,राजकिशोर पटेल ,राजेश पटेल ,बिहारी पटेल, विमल जैन, संजय श्रीवास्तव , नेक नारायण सिंह , सत्येंद्र गर्ग, मुकेश पटेल, दिलीप राजपूत अमोल चौरसिया, शिव नामदेव राजेश पटेल, सुकीर्ति त्रिपाठी, सुनील जैन भेड़ाघाट, इंदु पटेल, देवी सिंह लोधी, घनश्याम बढ़गैया,

चमन पासी, संदीप जैन, अवधेश गुप्ता, पंकज निगम, अजय रावत, सुबोध पहाड़िया, पंकज पटेल, सिद्धांत जैन, भारत पटेल, आलोक गुप्ता, पूजा सिंह, सलमान खान, आसिफ कुरेशी, राहुल बघेल ,अतुल जोसेफ ,अमित विश्वकर्मा ,श्रेष्ठ ठाकुर ,सुरेंद्र यादव, मीनाक्षी स्वामी ,राजा पांडे ,महेश मिश्रा, विष्णु विनोदिया, श्याम सोलंकी, सौरभ रैकवार ,विवेक भोसले ,आजाद अंसारी, जग्गू जैन, निर्मल जैन, मिस्टर जैन, एमपी दुबे, रवि सोनकर, मन्नू खंडेलवाल, राजकुमार सोनी, सुनील सराठे, राजेश श्रीवास ,एजाज अली, एजाज अंसारी,राजेश पटेल, एवं सैकड़ो की संख्याओं में कार्यकर्ताओं ने घेरा कलेक्ट कार्यालय!*

जिन कर्मचारियों के द्वारा बेहतर ढंग से पारदर्शिता के साथ ई-केव्हायसी के किये जायेगें उन्हें किया जायेगा सम्मानित = लापरवाही पर मिलेगा दंड - निगमायुक्त

निगमायुक्त प्रीति यादव ने ई-केव्हायसी के कार्यो में लापरवाही न करने कर्मचारियों को दी हिदायत

31 मई तक समग्र के साथ आधार ई-केव्हायसी करने जोन अध्यक्ष एवं पार्षदों के साथ आज संभाग में हुई बैठक = जनप्रतिनिधि भी कार्यो में कर रहे हैं निगम प्रशासन को सहयोग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश शासन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन के पत्र दिनांक 29 मार्च 2025 के अनुसार नगर निगम के साथ-साथ प्रदेश भर में दिनांक 1 अप्रैल से प्रारंभ होकर 31 मई 2025 तक मिशन मोड के रूप में ई-केव्हायसी का कार्य जारी है। इस संबंध में आज निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने नगर निगम के ईकेव्हायसी के कार्यो में लगे सभी कर्मचारियों को हिदायत दी है कि ईकेव्हायसी के कार्यो को गंभीरता और पारदर्शिता के साथ समय सीमा में करें। जिन कर्मचारियों के द्वारा कार्यो में लापरवाही बरती जायेगी उनके खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही के साथ-साथ जो कर्मचारी बेहतर ढंग से कार्य करेगा उन कर्मचारियों को सम्मानित भी किया जायेगा। ईकेव्हायसी के कार्यो में अब क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी आगे आकर निगम प्रशासन

निगमायुक्त ने नागरिकों से समग्र के साथ आधार ई-केव्हायसी कराने की अपील

को सहयोग कर रहे हैं। आज इसी कड़ी में संभाग क्रमांक 3 रामपुर में जोन अध्यक्ष राजकुमार पटैल के द्वारा क्षेत्रीय सभी पार्षदों एवं अधिकारियों के साथ बैठक कर ईकेव्हायसी के कार्यो को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक के संबंध में अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह एवं उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन ने बताया कि समग्र आई.डी. का आधार के साथ शत् प्रतिशत ई-केव्हायसी कराने विशेष अभियान चलाया जा रहा है, यह कार्य मिशन मोड पर किया जा रहा है। अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ने शतप्रतिशत ई-केव्हायसी कराने में सहयोग करने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि इसके लिए निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव द्वारा एक पत्र जारी कर राजस्व निरीक्षकों, स्वच्छता निरीक्षकों, सहायक राजस्व निरीक्षकों, योजना लिपिक, ऑपरेटर आदि को समग्र और आधार का ई-केव्हायसी करने के निर्देश दिये गए हैं। उन्होंने बताया कि समस्त नागरिकों का 100 प्रतिशत ई-केव्हायसी किया जाना है, कोई भी पात्र नागरिक ई-केव्हायसी के आभाव में लाभ से वंचित न हो। उन्होंने बताया कि ई-केव्हायसी के कार्यो के लिए आम जन नगर निगम के संभागीय कार्यालयों के साथ-साथ एम.पी. ऑनलाइन में जाकर अपना समग्र और आधार का ई-केव्हायसी करा सकते हैं। उन्होंने समस्त नागरिकों से अपील की है कि समय सीमा में अपना समग्र और आधार का ई-केव्हायसी कराएँ। बैठक के समय संभागीय अधिकारी संजय पटैल, आर.आई. श्रीमती मधुलिका चौधरी, योजना लिपिक सालनी, टी.सी. जयंत देशराज, बलराम लोधी, पुरूषोत्तम पटैल, राशन दुकानदार आदि उपस्थित रहे।

वापी-दानापुर-वलसाड के मध्य समर स्पेशल ट्रेन

पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदनमहल, कटनी एवं सतना स्टेशनों पर ठहराव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। समर के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लियर करने और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से वापी-दानापुर-वलसाड साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर 11-11 ट्रिप रेल प्रसाशन द्वारा चलाने का निर्णय लिया गया है। यह गाड़ी पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदनमहल, कटनी एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी।

गाड़ी संख्या 09063 वापी - दानापुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 19 अप्रैल से 28 जून 2025 तक प्रत्येक शनिवार को वापी स्टेशन से रात 22ः00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन इटारसी दोपहर 12ः10 बजे, पिपरिया 13ः45 बजे, नरसिंहपुर 15ः15 बजे, मदनमहल 17ः00 बजे, कटनी 18ः30 बजे, सतना रात 20ः10 बजे और तीसरे दिन सोमवार सुबह 08ः00 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09064 दानापुर- वलसाड स्पेशल ट्रेन दिनांक 21 अप्रैल से 30 जून 2025 तक प्रत्येक सोमवार को दानापुर स्टेशन से सुबह 11ः00 बजे प्रस्थान कर, सतना रात 21ः25 बजे, कटनी 23ः00 बजे पहुँचकर अगले दिन मदनमहल मध्य रात्रि 00ः30 बजे, नरसिंहपुर 02ः02 बजे, पिपरिया 03ः30 बजे, इटारसी 05ः00 बजे और मंगलवार शाम 18ः00 बजे वलसाड स्टेशन पहुँचेगी।

गाड़ी के हाल्ट- यह गाड़ी रास्ते मे दोनों दिशाओं में वलसाड, नवसारी, भेस्तान, चलथान, नंदूरबार, अमलनेर, धरनगांव, पालधी, जलगांव, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, मदनमहल, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच कंपोजीशन- इस गाड़ी में 18 शयनयान श्रेणी, 02 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच रहेंगे।

रेल यात्रियों से अनुरोध है कि समर स्पेशल ट्रेन की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशन, रेल मदद 139 एवं एनटीईएस ऑनलाइन से भी प्राप्त कर सकते हैं।

भारतीय रेल के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अनूठे डाक टिकटों की खास प्रदर्शनी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल महाप्रबंधक कार्यालय में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री प्रभात के मार्गदर्शन में भारतीय रेल के स्थापना दिवस के अवसर पर अनूठे डाक टिकटों की एक खास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

प्रदर्शनी में डाक टिकट संग्रहकर्ता श्री अरविन्द मलिक द्वारा सन् 1853 से अभी तक के भारतीय रेल से संबंधित डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाई गई। यह आयोजन मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) श्री एस डी पाटीदार के निर्देशन एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) श्री अजय कुमार दीक्षित के संरक्षण में किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (मुख्यालय) द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में भारतीय रेल द्वारा अर्जित विशेष उपलब्धियों के अवसर पर जारी डाक टिकटों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। इनमें पहली यात्री रेल, विद्युत कर्षण के 75 गौरवपूर्ण वर्ष, भारतीय रेल के 150 वर्ष पूर्ण होने पर जारी डाक टिकट प्रमुख रूप से शामिल हैं। इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अवलोकन किया।

कार्यक्रम में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) श्री संजय कुमार, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) श्री अभय कुमार गुप्ता एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

दवा दुकानदारों के हो रहा खिलवाड़- नहीं हो रहे नये रजिस्ट्रेशन और ना ही रिन्यूवल

स्वास्थ्य मंत्री से की शिकायत

तालिब हुसैन

जबलपुर. जनहित के मुद्दों को लेकर सक्रिय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजकर दवा दुकानदारों के साथ न्याय करने की मांग की है. राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अमित सिसौदिया, जबलपुर अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार वाधवानी, एड. भावना निगम, कमरूल इस्लाम खान, डॉ. आशीष डेंगरा आदि ने स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भेजकर इस बात की शिकायत की है कि बीते दो सालों से डी फार्मा, बी फार्मा व एम फार्मा के हजारों रजिस्ट्रेशन रिन्यूवल के लिए लंबित पड़े हैं, इसी तरह नये रजिस्ट्रेशन भी बंद पड़े हैं जिससे दवा दूकानदार परेशान हैं. पत्र में स्वास्थ्य मंत्री से मांग की गयी है कि दवा व्यवसायियों के हित में जल्द सकारात्मक पहल की जाए .

अकाल मृत्यु

जबलपुर। थाना खितौला मे श्रीमती शिवानी उर्फ पूर्णिमा गुप्ता उम्र 35 वर्ष निवासी सकरी मोहल्ला खितौला ने सूचना दी कि उसका छोटा लड़का सत्यम गुप्ता उम्र 19 वर्ष दिनारी खमरिया निवासी अनुराधा गौंड़ से लगभग एक वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था

जैन समाज के संत सहित सभी साधु-संतों/महात्माओं की सुरक्षा हेतु जबलपुर विधायक डॉ. अभिलाष पांडेय ने लिखा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र

सभी पूज्यनीय संतों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो- डॉ अभिलाष पाण्डेय

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र लिखकर विगत दिवस नीमच में हुए जैन साधुओं के ऊपर हमले पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए भविष्य में ऐसी कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए संतो को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को लिखे पत्र के माध्यम से डॉ अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि विगत दिवस नीमच में मंदिर में शयनरत तीन जैन मुनि संतों पर कतिपय तत्वों द्वारा हमला किया गया है जिसके फलस्वरुप भगवान स्वरुपी तीन संत गंभीर रूप से घायल हो गए हैं जो कि सर्वथा नंदनीय कृत्य है उक्त घटना से जैन समाज के साथ-साथ अन्य समस्त समाजों में भी आक्रोश व्याप्त है एवं उक्त की सभी समाजों के द्वारा भर्त्सना की जा रही है उल्लेखनीय है कि जैन समाज के मुनियो एवं संतो के साथ-साथ हमारे सभी धर्म में ऐसे संत महापुरुष है जो समाज के कल्याण हेतु सदैव तत्पर रहते हैं एवं समाज की प्रगति एवं उन्नति के लिए अपना जीवन अर्पित करते हैं ऐसे संत महापुरुषों की सुरक्षा करना भी नितांत आवश्यक है ताकि यह अपना कार्य निरंतर एवं निर्वात रूप से कर सकें एवं अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से समाज की भलाई में निरंतर योगदान दे सकें। अत:आपसे इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध करता हूं।

अजीत सिंह नैय्यर बने म.प्र. जन अभियान परिषद् के सदस्य

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश योजना आर्थिक एवं सांख्यिकीय विभाग, म. प्र. शासन,भोपाल द्वारा संस्कारधानी जबलपुर के युवा समाजसेवी स. अजीत सिंह नैय्यर सीटू को म.प्र. जन अभियान परिषद् ,भोपाल, की शासी निकाय के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है । इसके अध्यक्ष माननीय मुख्यमंत्री महोदय है एबं उपाध्यक्ष माननीय मोहन नागर जी है।ज्ञात हो कि श्री नैय्यर पूर्व में पंजाबी अकादमी म प्र शासन के जबलपुर संभाग के संयोजक भी नियुक्ति किए गए हैं और केंद्रीय श्री गुरु सिंह सभा म.प्र., छग के संभागाध्यक एवं छग प्रदेश के प्रभारी भी नियुक्त किये गए हैं। नियुक्ति में प्रदेश अध्यक्ष माननीय व्ही, डी, शर्मा जी,संगठन महामंत्री माननीय हितानंद जी,केबिनेट मंत्री माननीय राकेश सिंह जी एवं जबलपुर महानगर अध्यक्ष माननीय रत्नेश सोनकर जी की मुख्य भूमिका रही।साथ ही इनकी इस बड़ी उपलब्धि पर नगर की विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक संस्थाओं ने उन्हें बधाईयां और सुभाषीशें संप्रेषित की हैं ।

मुख्यमंत्री को दिया पवई महायज्ञ में आने का निमंत्रण

जबलपुर -पाटन तहसील के पवई धाम में 1 से 7 में तक श्री शिव समाराधन महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है! आयोजन में शामिल होने के लिए बुधवार को नगर प्रवास पर आए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को समिति द्वारा यज्ञ में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया द्य इस अवसर पर स्वामी महेन्द्रानंद महाराज जी की आज्ञा से यज्ञ प्रभारी बलराम सिंह यादव मुख्यमंत्री जी को आमंत्रण देने गए और मुख्य मंत्री जी ने आमंत्रण स्वीकार कर आने का आश्वासन दिया

धनगर समाज के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर अनिल धनगर भव्य स्वागत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ऑल इंडिया धनगर समाज महासंघ का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर आज 15 अप्रैल को आजाद चौक रामपुर जबलपुर से भव्य स्वागत रैली समर्थकों ने निकाली जगह जगह स्वजनों इष्ट मित्रों माताओं बहनों ने पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया और हार्दिक बधाई दी इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे एवं निज निवास में बनाये गए स्वागत में पार्षद अंशुल यादव पार्षद रजनी साहू बैजनाथ पटेल थानेश्वर महावर देवेश चौधरी अजय झारिया गणेश धनगर पार्षद गुड्डू तामसेतवार खेमचंद धनगर लक्ष्मी केशरवानी संतोष झारिया संतोष सोनी अर्चना यादव सुषमा यादव दिव्या यादव कविता धनगर बालमुकुंद यादव गोपाल धनगर रमाशंकर यादव वंदना आनंद मनीष धनगर प्रवीण धनगर सुनील यादव संजू यादव विजय धनगर एडवोकेट विनोद यादव आदि उपस्थित थे

भोपाल- पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने मंगलवार को मंत्रालय में विभिन्न विभागों के साथ गोविंदपुरा क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों में देरी और लापरवाह अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समय सीमा में कार्य करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि आम लोगों को ट्रैफिक की समस्या से निजात दिलाने के लिए आशिमा मॉल से बावड़िया कलां के बीच ओवरब्रिज बनाया जाएगा।

प्रावधान करेंगे कि प्रदेश में निवेश करने वाले उद्योगपति औद्योगिक परिसर में मजदूरों के लिए सुविधाजनक पक्के आवास बनाए- मुख्यमंत्री ने किया अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन का शुभारंभ

वनवासी मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल-(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अखिल भारतीय वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के 7वें अधिवेशन के शुभारंभ सत्र में सम्बोधित करते हुए कहा कि मजदूर भाई-बहनों की सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए भोपाल में विभागों से समन्वय कर काम किया जाएगा। वनवासी भाई-बहनों तथा सभी वर्ग की बेहतरी के लिए कार्य करने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। सरकार ने इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 मजदूर भाई-बहनों के 224 करोड़ रुपए का बकाया भुगतान करवा दिया है। रतलाम की सज्जन मिल के मजदूरों का बकाया भुगतान भी शीघ्र करवा दिया जाएगा। सरकार की ओर से औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर तलाशने के लिए औद्योगिक निवेश के लिए संभागीय स्तर पर रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित कर उद्योगपतियों के साथ अनुबंध किए गये हैं। भोपाल में 9वीं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित की गयी। इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में प्रदेश में उद्योगों को बढावा देने और रोजगार के अवसर तलाशने के कार्य किए गए हैं। प्रदेश में रोजगारमूलक उद्यम स्थापित करने वाले उद्योगपतियों को जमीन आवंटन, विद्युत बिल में छूट देते हुए 70 प्रतिशत तक सरकार द्वारा सबसिडी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के हित में करेंगे काम, और काम के लेंगे पूरे दाम, यह भारतीय मजदूर संघ का नारा है। सरकार की ओर से देशहित में काम करने वाले मजदूरों को उनका पूरा हक दिया जाएगा। वस्त्र उद्योग में कार्य करने वाले श्रमिकों को प्रति मजदूर 5 हजार रुपए प्रति माह अनुग्रह राशि देने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अलीराजपुर क्षेत्र के मजदूर भाई-बहन काम की तलाश में गुजरात राज्य की सूरत स्थित हीरा फैक्ट्री में कार्य पर जाते हैं, इसके लिए अब अलीराजपुर में ही हीरा फैक्ट्री के माध्यम से रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

गंभीर बीमारी के समय गरीबों/मजदूरों के उपचार के लिये एयर एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से अन्यत्र भेजने की व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रही है। गरीबों के उपचार के लिये प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना में निजी चिकित्सालयों में भी उपचार की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार और झाबुआ जिले में भी मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे, जिससे वनवासी जिलों में पढ़ाई एवं उपचार की बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित हो सके। सरकार द्वारा गरीब महिला, किसान, युवा सभी वर्गों के लिए प्राथमिकता से काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री कौशल उन्नयन योजना अन्तर्गत शिल्पकार, मिस्त्री, बढ़ई सभी वर्गों को रोजगार स्थापित करने में सरकार द्वारा प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

मजदूर भाई-बहनों के कल्याण के लिए संबल योजना संचालित है। संबल योजना अन्तर्गत सभी मजदूर भाई-बहन अपना पंजीयन अनिवार्य रुप से करवाएं। योजना में स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास आदि योजनाओं में लाभान्वित किया जा रहा है। परिवार के सदस्य की आकस्मिक मृत्यु होने पर परिवार के संबल के लिए अनुग्रह राशि दिए जाने का भी प्रावधान किया गया है। संबल योजना में रतलाम जिले के 4 लाख 92 हजार मजदूरों का पंजीयन किया जा चुका है। योजना में पुन: सर्वे कराया जाकर वंचित रहे शेष पात्र हितग्राहियों को पक्के मकान प्रदान किए जाएंगे। बच्चों को स्कूल में सायकल, पाठ्य सामग्री, गणवेश तथा फीस की सुविधा सरकार द्वारा की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की स्थिति बेहतर करने के लिए हर किसान के खेत पर पानी पहुंचाना, बिजली के संसाधन पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। किसानों को मोटा अनाज (श्री अन्न) उत्पादन के लिए प्रेरित करने के लिये रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अन्तर्गत कोदो, कुटकी, मक्का तथा मोटे अनाज उत्पादन करने वाले कृषको को एक हजार रुपए प्रति क्विंटल का अनुदान दिया जाएगा। डॉ. अम्बेडकर जयन्ती के अवसर से सरकार द्वारा गोपालकों से सहकारिता समितियों के माध्यम से दूध खरीदने की व्यवस्था के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना प्रारम्भ की जा रही है। पशुपालन अन्तर्गत दुग्ध उत्पादन के लिए सहकारिता आधारित कार्य किया जा रहा है। योजना अन्तर्गत 25 से ज्यादा गाय-भैंस पालने वाले गौपालक को अनुदान दिया जाएगा।

कार्यक्रम में रतलाम महापौर श्री प्रहलाद पटेल ने स्वागत् उद्बोधन दिया। अखिल भारतीय मजदूर महासंघ के अध्यक्ष श्री सुरेन्द्रसिंह ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के संस्थापक श्री अरविन्द मोघे का अंग वस्त्रम तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया। विधायक सभागृह रतलाम में आयोजित अधिवेशन में सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, विधायक श्री मथुरालाल डामर, विधायक श्री चिन्तामण मालवीय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभूलाल चन्द्रवंशी, पूर्व मंत्री श्री हिम्मत कोठारी, श्री भूरालाल डामर, श्री पवन पंत, श्री राघवसिंह भाभर, श्री बेगाजी, श्री संजयसिंह, श्री कुलदीप गुर्जर, श्री कैलाश निनामा, श्री प्रमोद जैन, श्री भरत पाटीदार, श्री अर्जुन राम, श्री मानसिंह मईडा, श्री भेरुलाल खदेडा, श्री कृष्णकुमार मईडा, श्री बालमुकुन्द पाटीदार, श्री राजू खराडी, पूर्व विधायक श्री दिलीप मकवाना, श्री विप्लव जैन, पूर्व महापौर श्री शैलेन्द्र डागा, श्री बजरंग पुरोहित, श्री अशोक पोरवाल, श्री कन्हैयालाल मौर्य, उपस्थित थे।

श्रमिकों का कल्याण प्रशासनिक नहीं, नैतिक उत्तरदायित्व- श्रम मंत्री पटेल

भोपाल (आरएनएस) श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं श्रम कल्याण मंडल अध्यक्ष श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि मंडल की बैठकों में श्रम कल्याण के विषय पर विस्तारसे चर्चा की जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में श्रम कल्याण योजनाएं एवं श्रम कानूनों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के बारे में बोर्ड में चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि संबल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की विसंगतियों को दूर करें। मंत्री श्री पटेल मंगलवार को पलाश रेसीडेंसी में मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मण्डल के संचालक मण्डल की 62वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। श्रम कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, अपर सचिव श्री बसंत कुर्रे, कल?याण आयुक?त श्री एस.एस.दीक्षित सहित मंडल के सदस्य, विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों का कल्याण केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, नैतिक उत्तरदायित्व भी है। हमारी सरकार हर श्रमिक के सम्मान, अधिकार और भविष्य की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले शत-प्रतिशत श्रमिकों को सर्वप्रथम इलेक्ट्रिक वाहन का वितरण किया जाना सुनिश्चित करें।

उप स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं का किया जाए प्रभावी उपयोग- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल (आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा उनके निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर ही उपलब्ध कराने के लिए उप स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर टेलीमेडिसिन सेवाओं का प्रभावी उपयोग किया जाए। जिससे दूरदराज़ क्षेत्रों में विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा सुलभ हो सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में विभिन्न विभागीय विषयों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों की वृहद समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किए जाएं, इससे स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार शीघ्र संभव हो। मातृ शिशु संजीवन मिशन एवं अनमोल 2.0 की समीक्षा

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन और एएनसी जांच सुनिश्चित की जाए। हाई रिस्क प्रेगनेंसी की पहचान समय पर हो जिससे सुरक्षित प्रसव और नवजात शिशु की बेहतर निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मातृ शिशु संजीवन मिशन एवं अनमोल 2.0 की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में यू कोट वी पे मॉडल पर रेडियोलॉजिस्ट की सेवाएं के लिये प्रस्ताव तैयार करने और शव वाहन संचालन में किसी भी प्रकार की विलंब की स्थिति न बने, इसके लिए शीघ्र कार्यवाही की जाए। उन्होंने नर्सिंग ऑफिसर्स की भर्ती के लिए नियम संशोधन कर कैबिनेट अनुमोदन के लिए प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के भी निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों को सरलता से उच्च गुणवत्ता की चिकित्सकीय सेवाएं प्राप्त हों, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आयुष्मान एम्पेनलमेंट की प्रक्रिया को प्राथमिकता से पूर्ण करने के लिए कहा। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि कई बार नागरिकों को यह ज्ञात नहीं होता कि आयुष्मान एम्पेनल्ड अस्पताल कौन-कौन सी चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

राज्य स्तरीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा निर्माण के लिये प्रारंभ हुई कार्यशाला

भोपाल-(आरएनएस) राज्य स्तरीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा निर्माण के लिये 3 दिवसीय कार्य शाला का शुभारंभ मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री अलकेश चतुर्वेदी ने मंगलवार को भोपाल के लेक-व्यू अशोका में दीप प्रज्वलित कर के किया। कार्यशाला में बच्चों का सर्वांगीण विकास, कौशल विकास और आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा जैसे उद्देश्य बिंदुओं पर विचार मंथन के बाद प्राप्त सुझावों को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या समिति को प्रेषित किया जाएगा। इसके बाद राज्य की पाठ्यचर्या का निर्माण भी किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये टास्क फोर्स का गठन किया है। कार्य शाला में 11 कार्य समूहों का गठन किया गया है। इसमें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या निर्माण समिति के प्रतिनिधि, प्रदेश पाठ्य पुस्तक स्थायी समिति के सदस्यगण, राज्य शिक्षा केंद्र विषय समन्वयक एवं अन्य सहयोगी संस्थाएं के विषय विशेषज्ञ सहभागिता कर रहे हैं।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव इंदौर जिले के महू में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्मस्थली पर अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए.

'वन संरक्षण और जलवायु-समर्थ आजीविका' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से भोपाल में

भोपाल-(आरएनएस) मध्यप्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में वन पुनर्स्थापन, जलवायु परिवर्तन और समुदाय-आधारित आजीविका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 18 अप्रैल से नरोन्हा प्रशासन अकादमी, भोपाल में आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। केन्द्रीय वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव सत्र में मुख्य वक्तव्य देंगे। प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह स्वागत उद्बोधन देंगे। दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रूपरेखा डॉ. राहुल मूँगीकर प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर जनजातीय समुदाय और प्राकृतिक संरक्षण पर केंद्रित ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति भी दी जाएगी। राष्ट्रीय कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में वन संरक्षण की वर्तमान कानूनी व्यवस्थाएं, उनकी सीमाएं और समाधान, जैव विविधता संशोधन अधिनियम-2023, सामुदायिक वन अधिकार, पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण और वन पुनर्स्थापन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होगी।

किसानों के सशक्तिकरण के लिये मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की होगी शुरुआत -मंत्री कंषाना

भोपाल (आरएनएस) किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि प्रदेश के किसानों को सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन की शुरूआत करेगी। इसके लिये रूपरेखा तैयार कर ली गयी है। मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में मिशन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह मिशन किसानों और उनके परिवार के सदस्यों को सशक्त बनाएगा। इससे पहले राज्य सरकार युवा, नारी शक्ति और गरीब कल्याण मिशन घोषित कर चुकी है। मिशन की साधारण सभा के अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे। मिशन क्रियान्वयन की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष मुख्य सचिव रहेंगे। मिशन क्रियान्वयन जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में किया जायेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विकास के लिए गरीब, युवा, नारी और किसानों के कल्याण पर जोर दे रहे हैं। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में उक्त वर्गों के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन में किसानों के कल्याण के लिए किए जाने वाले सभी कामों को एक प्लेटफॉर्म दिया जाएगा, जिसके माध्यम से राज्य सरकार आगे बढ़ेगी। मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना है। इसके माध्यम से कृषि को जलवायु अनुकूल बनाया जाएगा। धारणीय कृषि पद्धतियों को अपनाकर जैव विविधता और परंपरागत कृषि ज्ञान संरक्षण का कार्य किया जाएगा। पोषण एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही इससे किसानों की उपज के लिए उचित मूल्य भी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, सहकारिता और खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण विभाग कृषक कल्याण मिशन में अहम भूमिका सुनिश्चित करेंगे। मंत्री श्री कंषाना ने बताया है कि मिशन में दीर्घकालिक लक्ष्य रखे गये हैं। इसमें उद्यानिकी फसलों का सकल वर्धित मूल्य कृषि आधारित फसलों से अधिक किया जाना, उद्यानिकी फसलों का क्षेत्रफल राष्ट्रीय औसत के बराबर लाना, कृषि यंत्रीकरण को डेढ़ गुना करना, कृषि क्षेत्र में पूँजी निवेश को 75 प्रतिशत बढ़ाना, प्रदेश को नरवाई जलाने से मुक्त करना, जैविक, प्राकृतिक, जीएपी कृषि के अंतर्गत संपूर्ण बोये गये क्षेत्र का 10 प्रतिशत हिस्सा पहुँचाना, सूक्ष्म सिंचाई को 20 प्रतिशत क्षेत्रफल तक पहुँचाना, फसल बीमा का कवरेज 50 प्रतिशत तक करना है। कृषि मंत्री श्री कंषाना ने बताया कि मिशन में संकर तथा उन्नत बीजों का विस्तार आधे क्षेत्रफल तक करना, प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाना तथा सौर ऊर्जा पम्प अनुदान पर उपलब्ध कराना, किसानों द्वारा अतिरिक्त बिजली को विद्युत वितरण कंपनी को देने पर राशि का भुगतान किये जाने, समस्त अस्थाई कनेक्शनधारी किसानों को सौर ऊर्जा पंप सेट उपलब्ध कराये जाने,

स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक विश्व के भरण पोषण में सामर्थ्यवान बनेगा भारत - मंत्री परमार

भोपाल (आरएनएस) स्वतंत्रता के शताब्दी वर्षञ्च2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प पूरे देश का संकल्प है। विश्वमंच पर पुन: सिरमौर बनाने के लिए, सभी को सहभागिता करने की आवश्यकता है! हम सभी को अपना योगदान देना होगा। भारत की गौरवशाली सभ्यता, विरासत, ज्ञान परम्परा एवं भाषाओं से प्रेरणा लेकर हम सभी को राष्ट्र के पुनर्निर्माण में सहभागिता करनी होगी। स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 में जब भारत विश्वगुरु भारत बनेगा, तब हमारा विकसित भारत ऊर्जा एवं खाद्यान्न में आत्मनिर्भर होकर विश्व के अन्य देशों के भरण पोषण में भी सामर्थ्यवान बनेगा। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंगलवार को भोपाल स्थित टीआईटी टेक्नोक्रेट्स ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सभागृह में आयोजित ग्रेजुएशन सेरेमनी-2025 के अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने दीक्षांत समारोह में

विद्यार्थियों को उपाधि एवं मेडल प्रदान कर, उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं भी प्रेषित की। श्री परमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारत की समृद्ध विरासत, ज्ञान परम्परा और संकल्पना के संदर्भ में प्रकाश डालते हुए अभिप्रेरित किया।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत अपनी ज्ञान परम्परा के आधार पर विश्वमंच पर सिरमौर था। भारत के पुरातन ज्ञान को पुन: विश्वमंच पर युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टिकोण के साथ, प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए हमें हमारे पूर्वजों की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत कर, उनके बनाए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में इंजीनियरिंग सहित समस्त विषयों में भारत का पुरातन ज्ञान विद्यमान है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने हमें हीन भावना से मुक्त होकर स्वाभिमान को जागृत करने का अवसर दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने शिक्षा में भारतीय दृष्टि के समावेश का अवसर दिया है। इसके परिप्रेक्ष्य में हर विद्या हर क्षेत्र में भारत केंद्रित शिक्षा का समावेश हो रहा है।

हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, जल स्त्रोतों एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्त्रोतों के संरक्षण के भाव से, शोध एवं अनुसंधान के आधार पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समाज में परम्परा के रूप में स्थापित की। कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी संस्कृति और सभ्यता है। हमारे पूर्वज सूर्य उपासक थे, प्राकृतिक ऊर्जा स्त्रोतों की उपयोगिता और महत्व को जानते थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्षञ्च2047 तक भारत, सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर, अन्य देशों की पूर्ति करने में समर्थ देश बनेगा। साथ ही वर्षञ्च2047 तक खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर, अन्य देशों का भरण पोषण करने में भी सामर्थ्यवान देश बनेगा। हम सभी की सहभागिता से, अपने पूर्वजों के ज्ञान के आधार पर पुन: विश्वमंच पर सिरमौर राष्ट्र का पुनर्निर्माण होगा। इसके लिए हमें स्वाभिमान के साथ हर क्षेत्र में अपने परिश्रम और तप से आगे बढ़कर, विश्व मंच पर अपनी मातृभूमि का परचम लहराना होगा।

भगवान शंकर के दिव्य श्रृंगार में, अब वाले श्रृंगार ने तो मानों दाँतों तले अँगुलि दबाने को विवश कर दिया था। कारण कि भगवान शंकर ने अपनी छाती पर एक माला पहन रखी है। वह माला न तो कोई स्वर्ण धातु से बनी है, और न ही पुष्प इत्यादि की। जी हाँ! वह माला बनी है 'नरमुण्डों' की। खोपड़ियों को एक सूत्र में बाँध कर गले में लटका दिया है। जिसे शिवगण बड़े रौब से माला की संज्ञा दे रहे हैं। भला ऐसी भी माला की कल्पना किसी ने की होगी? यह तो बुद्धि की सीमा से परे सकी बात हो गई।

मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्टपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी-दिसानायके वार्ता में 10 से ज्यादा ठोस परिणाम निकले और सबसे महत्त्वपूर्ण तो यह कि दोनों देश सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग को राजी हुए हैं। बेशक, यह फैसला दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसलिए भी कि यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के करीब 35 साल बाद हुआ है। भारत के लिए मोदी का श्रीलंका दौरा इसलिए भी सफल कहा जा सकता है कि दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को आासन दिया है कि श्रीलंका अपने भूभाग का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदमों के लिए नहीं होने देगा। जब-जब पड़ोसी चीन श्रीलंका के साथ दोस्ताना होता है, तब-तब भारत की पेशानी पर चिंता की लकीरें उभरने लगती हैं। लेकिन अब श्रीलंका से स्पष्ट आासन मिलने से भारत को बड़ी राहत का अहसास हुआ है। दरअसल, दोनों पड़ोसी देशों बीच ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और आत्मीयता से भरे संबंध रहे हैं, दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत है, दोनों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है, और दोनों परस्पर निर्भर कहे जा सकते हैं। दिसानायके इस बात से वाकिफ हैं। संभवत- यही कारण रहा कि राष्टपति बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। मोदी को भी उन्होंने अपना पहला विदेशी मेहमान बनाया और उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान 'मित्र विभूषण' से भी नवाजा।

तेजस्वी-राहुल मुलाकात में भी नहीं बनी बात- महागठबंधन में पेंच अभी फंसा हुआ है!

बिहार की राजनीति में 90 के दशक में लालू यादव के ताकतवर होने के साथ ही कांग्रेस समेत अन्य कई राजनीतिक दलों के बुरे दिन शुरू हो गए थे। बीजेपी के समर्थन से सरकार चला रहे लालू यादव ने वर्ष 1990 में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करा कर सबको चौंका दिया था। उस समय आडवाणी को जिस अधिकारी (आरके सिंह) ने गिरफ्तार किया था, उन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार में केंद्रीय मंत्री भी बनाया था। वहीं सरकार को बनाए रखने के लिए लालू यादव ने अनगिनत बार कम्युनिस्ट पार्टी के विधायकों को तोड़ने का काम किया। कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल को तो लालू यादव ने बिहार में अपनी बी टीम बनाकर छोड़ दिया था। लालू यादव सीधे कांग्रेस आलाकमान से डील किया करते थे और बिहार कांग्रेस के नेताओं को हमेशा लालू यादव से डर कर रहना पड़ता था।

बिहार में कांग्रेस नेताओं की हालत इतनी दयनीय हो गई थी कि हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दिल्ली में हुई बैठक में कई नेताओं ने यह शिकायत भी की कि आरजेडी के नेता कांग्रेस नेताओं को सम्मान नहीं देते हैं। उस समय राहुल गांधी ने कहा था कि सम्मान मांगने से नहीं मिलता, बल्कि सम्मान हासिल करना पड़ता है। लेकिन राहुल गांधी के मिशन बिहार से काफी कुछ बदलता हुआ नजर आ रहा है।

बिहार के लगातार दौरे पर जाकर राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति को समझने का प्रयास किया। अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को बिहार कांग्रेस का प्रभारी बनाकर भेजा। लालू यादव के करीबी माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर एक दलित नेता राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद कन्हैया कुमार को %पलायन रोको, नौकरी दो% यात्रा का चेहरा बनकर बिहार की सड़कों पर उतरने का मौका दिया। आने वाले दिनों में लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी के बावजूद पप्पू यादव को भी बड़ी भूमिका देने की खबरें निकल कर सामने आ रही है।

कांग्रेस के आक्रामक तेवरों को देखते हुए लालू यादव काफी हद तक असहज हो गए। उन्होंने अपने बेटे तेजस्वी यादव (जिन्हें वे पहले ही मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं) को पटना में 17 अप्रैल को होने वाली महागठबंधन की बैठक से पहले ही राहुल गांधी के साथ सब कुछ तय करने के लिए आनन-फानन में दिल्ली भेजा। मंगलवार को तेजस्वी यादव ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर राहुल गांधी के साथ बैठक की। लेकिन राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को कांग्रेस की अहमियत बताने के लिए इसको एक बड़ी बैठक बना दिया। इस बैठक में कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी के अलावा राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुरदीप सिंह सप्पल भी मौजूद रहे। वहीं तेजस्वी यादव अपने साथ पार्टी के राज्यसभा सांसद मनोज झा और संजय यादव को लेकर गए थे।

लेकिन तेजस्वी यादव की यह दिल्ली यात्रा उनके लिए उतनी लाभदायक नहीं रही, जितनी वह उम्मीद कर रहे थे। कांग्रेस ने आरजेडी के ऑफर (यानी 50 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने) को सिरे से नकार दिया और पिछली बार की तरह 70 सीटों की मांग रख दी। इतना ही नहीं कांग्रेस की तरफ से यह भी कहा गया कि पिछली बार की तरह कांग्रेस कमजोर और हारने वाली सीटों को स्वीकार नहीं करेगी। सीट को लेकर विस्तार से चर्चा पटना की बैठक में होगी। वहीं मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर भी कांग्रेस ने फिलहाल अपने पत्ते खोलने से साफ इनकार कर दिया है।

दिल्ली की बैठक बेनतीजा रही, यह बैठक के बाद आए बयानों से भी साफ पता चलता है। बड़ी उम्मीदों के साथ दिल्ली आए तेजस्वी यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, 卐पता नहीं आप लोग क्यों चिंतित रहते हैं चेहरे के लिए। यह हम लोगों की चीजें हैं। हम लोगों की बातचीत के बाद सारी चीजें सामने आ जाएंगी। इसमें आप लोगों को परेशान होने की कोई आवश्यकता नहीं है।卐

मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर पत्रकारों ने यही सवाल बैठक से बाहर आए कांग्रेस के नेताओं से भी पूछा। कृष्णा अल्लावरु ने भी साफ और स्पष्ट शब्दों में कह दिया कि , अगर पहली मुलाकात में ही सब कुछ तय हो गया होता तो वे इसकी जानकारी जरूर देते। मतलब साफ है कि गठबंधन में अभी काफी पेंच फंसा हुआ है। कांग्रेस इस बार झुकने को तैयार नहीं है। बिहार में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने है। आरजेडी चाहती थी कि पहले कांग्रेस के साथ सारे मुद्दे तय कर लिए जाएं, फिर गठबंधन में शामिल अन्य राजनीतिक दलों के साथ बैठक की जाए। लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में खरगे के आवास पर हुई पहले दौर की बैठक में कई मुद्दों पर सहमति बनाने की कोशिश कामयाब नहीं हो पाई।

बेहाल वृद्धों के लिये आयोग बनना एक सराहनीय कदम

ललित गर्ग

केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी।

केरल भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोग स्थापित करने के लिए एक कानून पारित किया है। यह एक सराहनीय एवं स्वागत योग्य पहल होने के बावजूद एक बड़ा सवाल भी खड़ा करती है कि आखिर भारत के बुजुर्ग इतने उपेक्षित एवं प्रताड़ित क्यों है? केरल जैसे शिक्षित राज्य में ही इस आयोग को बनाने की जरूरत क्यों सामने आयी? केरल में क्यों सामाजिक सुरक्षा, स्नेह, सुरक्षा की वह छांव लुप्त होती जा रही है, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। क्यों केरल में ही बुजुर्ग सर्वाधिक अकेलेपन एवं एकाकीपन का संत्रास झेलने को विवश हो रहे है? केरल में कई बुजुर्ग लोगों को युवा पीढ़ी के हाथों गरीबी और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रांत में कई गांव ऐसे हैं जहां केवल बुजुर्ग ही बचे हैं, प्रश्न है कि ऐसा क्यों हो रहा है? यूं तो समूचे देश में बुजुर्गों की लगभग यही स्थिति बन रही है, जो सामाजिक व्यवस्था पर एक बदनुमा दाग है। केरल योजना बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिणी राज्य पूरे भारत की तुलना में अधिक तेजी से वृद्ध हो रहा है। 1961 में, केरल में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत थी, जो राष्ट्रीय औसत 5.6 प्रतिशत से थोड़ा कम थी। हालांकि, 1980 के दशक तक, राज्य ने बाकी राज्यों को पीछे छोड़ दिया। 2001 तक यह हिस्सा बढ़कर 10.5 प्रतिशत हो गया, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत था। 2011 में यह 12.6 प्रतिशत था, जबकि राष्ट्रीय औसत 8.6 प्रतिशत था।

वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि नहीं चेते तो अंजाम और भी बुरे होंगे!

हैरत की बात है कि कभी ये लोग दलित-मुस्लिम समीकरण तैयार करवाते हैं तो कभी मुस्लिम-ओबीसी समीकरण को फंडिंग करवाते हैं। वहीं इसी की आड़ में अभिजात्य मुसलमान विदेशों से हवाला के जरिए फंडिंग लेकर देश में पाकिस्तान-बांग्लादेश के ही नहीं बल्कि अरब देशों के हमदर्द पैदा करते हैं। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ पश्चिम बंगाल में भड़काई गई सुनियोजित हिंसा से यदि हमारा प्रशासन समय रहते ही नहीं चेता तो आने वाले दिनों में अंजाम और भी बुरे होंगे, इतिहास इसी बात की चुगली कर रहा है! यह नसीहत क्रूर वक्त हमें बार-बार दे रहा है, लेकिन हमलोग ऐसे घिसे पिटे आदर्शवादी हैं कि उसे समझने के लिए तैयार ही नहीं हैं7 इसलिए आज मैं इतिहास की अंगड़ाई में सुलगते हुए वर्तमान के कुछ कटु सत्य को उद्घाटित कर रहा हूँ ताकि हमारे राजनेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों की कुम्भकर्णी निंद्रा टूटे और वो विधि-व्यवस्था के लिहाज से अपने मौलिक कर्तव्य न भूलें। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत एक शांतिप्रिय देश रहा है, लेकिन पहले मुस्लिम आक्रान्ताओं ने और फिर ब्रिटिश नौकरशाहों ने अपने-अपने प्रशासनिक स्वार्थ की प्रतिपूर्ति के लिए ऐसी-ऐसी अव्यवहारिक नीतियों को क़ानूनी अमली जामा पहनाया, जिससे हिन्दू समाज जाति और क्षेत्र के नाम पर बिखर गया और कभी मुस्लिम अधिकारी तो कभी ईसाई अधिकारी और उनके पिट्ठ लोग हिन्दुओं पर हावी होते चले गए। इसी कड़ी में सांप्रदायिक, जातीय और क्षेत्रीय हिंसा को अघोषित प्रशासनिक एजेंडे के तौर पर बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, कभी प्रशासनिक उदासीनता तो कभी पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाते हुए संगठित अपराध को बढ़ावा दिया गया, जिससे विधि व्यवस्था की स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती चली गई। इसी स्थिति से निजात पाने के लिए देश में आजादी की लड़ाई तेज हुई और साम्पदायिक विभाजन तक की नौबत आई7 इस दौरान हिन्दू-मुस्लिम दंगे भी खूब हुए। लेकिन भारत के गाँधी-नेहरु जैसे अव्यवहारिक आदर्शवादी राजनेताओं ने आजाद भारत में हालत बदलने के उलट उन्हीं घिसे-पिटे कानूनों को भारतीयों पर थोप दिया, जो आज तक अशांति का सबब बन चुकी हैं। पहले कांग्रेसियों, फिर समाजवादियों और अब राष्ट्रवादियों ने ढोंगी धर्मनिरपेक्षता की तो खूब बातें कीं, लेकिन अपने कुत्सित जातीय, क्षेत्रीय और सांप्रदायिक एजेंडे से आगे की कभी नहीं सोच पाए। मसलन, बहुमत की आड़ में शांतिप्रिय सत्ता परिवर्तन भी सुनिश्चित हुआ, लेकिन विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका से जुड़े लोग मुगलिया और ब्रितानी प्रशासनिक लापरवाहियों से कोई सबक नहीं सीख पाए। सबों ने उस 'निर्जीव भारतीय संविधान' का महिमा मंडन किया और कर रहे हैं जिसने पदासीन लोगों को वेतन-भत्ते-पेंशन और देशवासियों से लूट-खसोट की तो गारंटी दी, लेकिन आमलोगों के सुख-शांति में खलल डालने वालों के खिलाफ कभी सख्ती नहीं दिखाई। इस नजरिए से संसद और विधान मंडलों ने प्रभावकारी कानून नहीं बनाए और न ही न्यायपालिका ने इस प्रशासनिक प्रवृति पर कभी सवाल उठाए।

वास्तु देवता की पूजा से दूर होते हैं घर के वास्तु दोष

मत्स्यपुराण में बताया गया है कि प्राचीन काल में अन्धकासुर के वध के समय भगवान शंकर के ललाट से पृथ्वी पर जो स्वेदबिन्दु गिरे, उनसे एक भयंकर आकृति वाला पुरुष प्रकट हुआ जो विकराल मुख फैलाये हुए था। उसने अन्धकगणों का रक्त पान किया, किंतु तब भी उसे तृप्ति नहीं हुई और वह भूख से व्याकुल होकर त्रिलोकी को भक्षण करने के लिए तैयार हो गया। बाद में शंकरजी तथा अन्य देवताओं ने उसे पृथ्वी पर सुलाकर वास्तु देवता के रूप में प्रतिष्ठित किया और उसके शरीर में सभी देवताओं ने वास किया इसलिए वह वास्तु के नाम से प्रसिद्ध हो गया। देवताओं ने उसे गृह निर्माण के, वैश्वदेव बलि के तथा पूजन यज्ञ-यागादि के समय पूजित होने का वर देकर प्रसन्न किया। इसलिए आज भी वास्तु देवता का पूजन होता है। देवताओं ने उसे वरदान दिया कि तुम्हारी सब मनुष्य पूजा करेंगे। इसकी पूजा का विधान प्रासाद तथा भवन बनाने एवं तडाग, कूप और वापी के खोदने, गृह-मंदिर आदि के जीर्णोद्धार में, पुर बसाने में, यज्ञ-मंडप के निर्माण तथा यज्ञ-यागादि के अवसरों पर किया जाता है। इसलिए इन अवसरों पर यत्नपूर्वक वास्तु पुरुष की पूजा करनी चाहिए। वास्तु पुरुष ही वास्तु देवता कहलाते हैं।

कांग्रेस संक्रमण के दौर से गुजर रही

हरिशंकर व्यास

कांग्रेस बिना ठोस विचारों के है। संक्रमण के दौर से गुजर रही है। राहुल गांधी नए प्रयोग कर रहे हैं। कर्नाटक के दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाने और जाति गणना करा कर आरक्षण बढ़ाने का गुरुमंत्र मिलने के बाद से राहुल गांधी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक के नए चैंपियन के तौर पर उभरे हैं। वे पिछले करीब दो साल से जाति गणना कराने और आरक्षण बढ़ाने की रट लगाए हुए हैं।

कांग्रेस के नेता दो दिन के अधिवेशन के लिए गुजरात में इकट्ठा हुए तो मंथन का एक बड़ा विषय यह था। लेकिन यह इकलौता मुद्दा नहीं है, जिस पर कांग्रेस संक्रमण के दौर में है या किसी वजह से संशय में है। अगड़ा बनाम पिछड़ा, दलित, आदिवासी का मुद्दा है तो नए बनाम पुराने का भी है और पूंजीवाद बनाम पूंजीपतियों के विरोध का भी है। जहां तक नए और पुराने का मामला है तो करीब 20 साल के संघर्ष के बाद राहुल गांधी इस पहेली को सुलझाते लग रहे हैं। पार्टी के अंदर पुराने नेताओं का वर्चस्व अब लगभग खत्म हो गया है। एकाध राज्यों में जरूर पुराने क्षत्रप हैं, जो अपना खूंटा थामे हए हैं लेकिन उनका खूंटा उखड़ना भी वक्त की बात है। राहुल गांधी ने सबसे 2009 की सरकार बनने के समय इस संघर्ष को खत्म करने का बड़ा दांव चला था।

लेकिन उन्होंने जिन नए नेताओं पर दांव लगाया उनमें से ज्यादातर कांग्रेस पार्टी छोड़ कर भाजपा में चले गए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो कांग्रेस के अंदर नए और पुराने का विवाद काफी समय पहले सेटल हो गया होता। देर से ही सही लेकिन अब जाकर कांग्रेस की कमान पूरी तरह से राहुल के हाथ में आ गई है।

वे अपने हिसाब से नेताओं को केंद्रीय और प्रदेशों के संगठन में जगह दे रहे हैं। इस बार उनके चुने हुए नेता सहीं है या गलत, मजबूत हैं या कमजोर इसका पता बाद में चलेगा। समय बताएगा कि उनका चयन कितना सही है। उसके गुणदोष में गए बगैर कह सकते हैं कि कांग्रेस में नए और पुराने का विवाद काफी हद तक सुलझ गया है और अहमदाबाद अधिवेशन में यह साफ साफ दिखा।

अहमदाबाद के अधिवेशन में राहुल गांधी ने आरक्षण और पिछड़ा, दलित, आदिवासी राजनीति को कांग्रेस के केंद्रीय राजनीति के तौर पर स्थापित किया। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में कहा कि कांग्रेस दलितों, सवर्णों और अल्पसंख्यकों की राजनीति करती रही और इस बीच पिछड़ों ने उसे छोड़ दिया।

विकट संकष्टी चतुर्थी पर इस विधि से करें भगवान गणेश की पूजा, जानिए मुहूर्त और मंत्र

हर साल वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जाता है। विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। यह व्रत भक्तों की सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाने में सहायक होता है। इस बार 16 अप्रैल 2025 को विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जा रहा है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और शुभारंभ के देवता के रूप में पूजा की जाती है। यह तिथि भगवान गणेश की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए बेहद अच्छी मानी जाती है। तो आइए जानते हैं विकट संकष्टी चतुर्थी की तिथि, मुहूर्त और पूजन विधि के बारे में...

तिथि और मुहूर्त

हिंदू पंचांग के मुताबिक कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी तिथि 16 अप्रैल को दोपहर 01-16 मिनट से शुरू हो रही है। वहीं 17 अप्रैल को दोपहर 03-32 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। इस दिन चंद्रोदय रात 09-54 मिनट पर होगा। संकष्टी चतुर्थी व्रत का पारण चंद्रदेव को अर्घ्य देने के बाद किया जाता है। इस दिन सुबह जल्दी उठकर सूर्योदय से पहले पवित्र स्नान करें और स्वच्छ कपड़े पहनें। इसके बाद सूर्य देव को जल दें और व्रत का संकल्प लें। इसके बाद एक चौकी पर भगवान गणेश की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित करें।

स्टैंडअप कॉमेडी एक्ट को लेकर उठा तूफान

अजीत द्विवेदी

कुणाल कामरा के एक स्टैंडअप कॉमेडी एक्ट को लेकर जो तूफान उठा था अभी उसकी गर्द उड़ ही रही है। पहले सोचा था कि इसका गर्दो गुबार बैठ जाए तब इस पर लिखा जाए। परंतु निकट भविष्य में उसकी संभावना नहीं दिख रही है। महाराष्ट के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को खुश करने के लिए महाराष्ट पुलिस ने कमर कसी हुई है। उसने तय किया है कि हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट कुछ भी कहें कुणाल कामरा को एक बार तो गिरफ्तार करना है ही और मजा चखाना ही है। तभी एक के बाद एक नए मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं और नए समन जारी हो रहे हैं।

उन जगहों पर पुलिस दबिश दे रही है, जहां कामरा 10 साल से नहीं रहते हैं। पुलिस का जोर कामरा पर नहीं चला तो उन तमाम दर्शकों को नोटिस भेज कर बुलाया गया, जो उनके शो में मौजूद थे। इसके बाद से यह मजाक चल रहा है कि दर्शकों के बाद उन लोगों की बारी है, जिन्होंने यूट्यूब पर कामरा के इस वीडियो को देखा है। समूचा विवाद इस बात का है कि कुणाल कामरा ने एकनाथ शिंदे को 'गद्दार' कहा। हालांकि उन्होंने शिंदे का नाम नहीं लिया है लेकिन 'ठाणे की रिक्शा', 'चेहरे पे दाढ़ी', 'आंख पे चश्मा', 'गुवाहाटी में छिपना' आदि से पर्याप्त इशारा है कि वे किसकी बात कर रहे हैं। यह एक तथ्य है कि शिंदे ने शिव सेना तोड़ी, अपनी अलग पार्टी बनाई, जिसे बाद में चुनाव आयोग ने असली शिव सेना कहा। वे दशकों तक जिस पार्टी और परिवार के प्रति निष्ठावान बने रहे उससे अलग हुए। कह सकते हैं कि विचारधारा का मतभेद था। इसके बावजूद ऐसे कदमों को राजनीति में दलबदल करना, नेता की पीठ में छुरा भोंकना, धोखा देना, गद्दारी करना आदि ही कहा जाता है।

उद्धव ठाकरे की पार्टी के अलावा दूसरी पार्टियों के नेताओं ने भी शिंदे के बारे में ऐसी बातें कही हुई हैं। लेकिन शिंदे समर्थक उनसे नाराज नहीं हुए। उनकी नाराजगी भड़की है कुणाल कामरा पर। कामरा पर नाराजगी क्या इस वजह से भड़की है कि वे कोई नेता नहीं हैं, उनके पास कोई पार्टी नहीं है या कोई सुरक्षा कवच नहीं है या कोई और कारण है?

बहरहाल, कुणाल कामरा के स्टैंडअप एक्ट में वह बात सबसे गंभीर या अहम नहीं है, जिस पर सबसे ज्यादा विवाद है यानी शिंदे का मामला सबसे गंभीर नहीं है। उन्होंने 45 मिनट के अपने प्रोग्राम में कई दूसरे गंभीर विषय उठाए हैं और उन पर तीखा व्यंग्य किया है। उन्होंने भारतीय समाज की हिप्पोक्रेसी, देश के उद्योगपतियों के लालच, करोड़पतियों के दिखावे और धन के अश्लील प्रदर्शन पर गहरा व्यंग्य किया है। परंतु किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया। ऐसा लग रहा है कि अपने कॉमिक एक्ट से कामरा ने जो गंभीर सवाल उठाए उनको दबाने या छिपाने के लिए एकनाथ शिंदे के मुद्दे पर फोकस बनवा दिया गया हो। कामरा के एक्ट को लेकर जो प्रहसन चल रहा है उसको देख कर अजय देवगन की 'सिंघम' फिल्म का एक दृश्य याद आता है, जिसमें हीरो ने विलेन को 'मामूली गुंडा' कहा। विलेन ने इस पर भड़कते हुए कहा, 'मामूली किसको बोला'? सोचें, उसे गुंडा कहे जाने से तकलीफ नहीं थी, मामूली कहे जाने से थी। वही हाल कामरा की कॉमेडी की है। मामूली बातों पर भावनाएं आहत हुई हैं और गंभीर बातों पर चुप्पी है या उसका मौन स्वीकार है। कामरा ने देश के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में धन के अश्लील प्रदर्शन का मुद्दा उठाया। मुख्यधारा के किसी आदमी की इस पर बोलने की हिम्मत नहीं हो रही थी। लेकिन कामरा ने यह कहते हुए सवाल उठाया कि 'अंबानी सटल (स्ह्वड्ढह्लद्यद्ग) है ही नहीं'। उन्होंने एक रूपक के जरिए अपनी बात समझाई कि अंबानी ने दुनिया भर के गायकों, नर्तकों, अभिनेताओं को बुला लिया और सबको सामने बैठा कर कहा कि 'तुम बैठो हम नाचेंगे'। रिलायंस समूह यही तो कारोबार में भी कर रहा है। उसकी किसी काम में विशेषज्ञता नहीं है लेकिन उसे सारे काम करने हैं। हर चीज खरीदनी है और हर चीज बेचनी है। कामरा ने बहुत बारीक तरीके अंबानी के निजी चिड़ियाघर का भी मजाक उड़ाया। लेकिन इस पर कोई चर्चा नहीं हुआ। कामरा के उस एक्ट की सबसे खास बात यह थी कि उन्होंने देश के तमाम उद्योगपतियों और कारोबारियों की पोल खोल दी। उन्होंने कहा कि इस देश के किसी उद्योगपति ने कोई इनोवेशन नहीं किया है। एक चीज नहीं बनाई है। यह कितनी बड़ी सचाई है कि भारत में जिसके पास 12 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है वह भी सौ, दो सौ करोड़ रुपए रिसर्च पर या इनोवेशन पर खर्च नहीं करता है। वह इस इंतजार में रहता है कि दुनिया के दूसरे देशों के उद्यमी रिसर्च करें, इनोवेशन करें, नई चीजें बनाएं और बेचने के लिए उसको दे दें। अभी हाल ही में अंबानी और मित्तल दोनों इलॉन मस्क के वेंडर बने हैं। मस्क ने अपने साहस, रिसर्च, इनोवेशन से धरती की कक्षा में सात हजार सेटेलाइट भेजे और उनसे इंटरनेट की सेवा शुरू की। भारत में अंबानी और मित्तल यह सेवा बचेंगें। इस कमाई का पैसा मस्क के पास अमेरिका जाएगा और अंबानी व मित्तल को कमीशन मिलेगा। सोचें, 12 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति वाला भी अमेरिका के एक कारोबारी का कमीशन एजेंट है। कामरा ने इस हकीकत को अपने एक्ट से जाहिर किया। कुणाल कामरा ने संत जैसे आचरण करने वाले आनंद महिंद्रा और सुधा मूर्ति पर भी तंज किया।

उन्होंने कहा कि आनंद महिंदा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लेकर हर चीज पर सोशल मीडिया पोस्ट लिखते हैं लेकिन अपनी गाड़ी की क्वालिटी ठीक नहीं करते हैं। वे उन तमाम बातों में घुसे रहते हैं, जिनसे उनका कोई मतलब नहीं है। ऐसे ही सुधा मूर्ति के 'मैं सिंपल हूं' के प्रचार पर भी उन्होंने गहरा तंज किया। उन्होंने कहा कि खुद को सिंपल बताते बताते वे राज्यसभा चली गई। असल में उनका सिंपल होने का प्रचार एक ब्रांडिंग कैम्पेन से ज्यादा कुछ नहीं है। ओला स्कूटर वाले के साथ उनका पहले से पंगा चल रहा है लेकिन अपने इस एक्ट में उन्होंने ओला स्कूटर की गुणवत्ता और ग्राहकों के साथ उसके व्यवहार को लेकर सवाल उठाया और साथ ही ग्राहकों की हितों की रक्षा करने या उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बनी एजेंसियों के निकम्मेपन या कमजोरी पर प्रहार किया।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति की सहायता से रुका हुआ कार्य संपन्न हो सकता है। आज मित्रों से मुलाकात के अवसर बनेंगे और विचारों का आदान-प्रदान भी रहेगा।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आप अपनी समझदारी और सूझबूझ द्वारा किसी समस्या का हल निकालने में सक्षम होंगे। आज पारिवारिक मामलों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन राशि- आज आपका दिन लकी रहेगा 7 कुछ मामलों में मेहनत ज्यादा रहेगी और नतीजा कम लाभ वाला मिलेगा। ऑफिस में नया काम सामने आ सकता है, जिसे आप बहुत अच्छी तरह करने का प्रयास करेंगे।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप बुद्धिमत्ता व होशियारी से सभी काम बेहतर तरीके से पूरा कर लेंगे। विद्यार्थी वर्ग व्यर्थ की बातों से ध्यान हटाकर अपने अध्ययन के प्रति सचेत रहें।

सिंह राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके घर में धार्मिक अनुष्ठान होने से घर में भक्ति भावना का माहौल बना रहेगा। पारिवारिक रिश्तों में हो रही गलतफहमियां आज दूर होंगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी 7 इस राशि के बिजनेसमैन के लिए आज का दिन रिलैक्स से भरा होगा।

तुला राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस संबंधी योजना चल रही है, तो उस पर काम करने की कोशिश करें। आज आर्थिक रूप से दिन अच्छा है। अगर आपका सरकारी मामला रुका हुआ है

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आप अपनी योग्यता और कार्यकुशलता द्वारा उम्मीद से ज्यादा लाभ हासिल करने वाले हैं। आज कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों और सहयोगियों का भरपूर समर्पण रहेगा।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज घर और बिजनेस दोनों जगह सामंजस्य रखेंगे और निजी कामों के लिए भी समय निकालने में सफल होंगे।

मकर राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। परिवार संग किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे, पारिवारिक सौहार्द बढ़ेगा। आज शांत मन से किसी काम को करेंगें

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिग में पूरी मेहनत करेंगे। कोरियर का बिज़नेस कर रहे कारोबारियों को आज ज्यादा फायदा होगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा रहने वाला है। आज आपके जीवन में कुछ बदलाव आ सकते हैं जो आपके लिए बढ़िया साबित होंगे।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गांधी परिवार की आलोचना करते हुए कहा कि वंशवादी राजनीति करने वाले नेता खुद को देश और कानून से ऊपर समझते हैं। एएनआई से बात करते हुए मौर्य ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गांधी परिवार की गुलाम की तरह काम कर रही है। देश के सभी 140 करोड़ लोगों के लिए संविधान एक समान है। नेशनल हेराल्ड मामले में बहुत बड़ा घोटाला हुआ, बहुत बड़ा भ्रष्टाचार हुआ, जिसकी जांच कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही शुरू हुई थी।

कांग्रेस शासनकाल में ब्लैकआउट आम बात थी, अब ऐसा नहीं : पीएम मोदी

यमुनानगर (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हरियाणा के यमुनानगर में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज जब देश ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब हमें कांग्रेस के शासनकाल के वे दिन नहीं भूलने चाहिए जब पूरे देश में ब्लैकआउट आम बात थी। पीएम मोदी ने कहा, हमें कांग्रेस के दिनों को भी भूलना नहीं चाहिए। हमने 2014 से पहले जब कांग्रेस की सरकार थी, तो हम वो दिन भी देखे हैं जब पूरे देश में ब्लैकआउट होते थे, बिजली गुल हो जाती थी। अगर कांग्रेस की सरकार रहती, तो देश को आज भी ऐसे ही ब्लैकआउट से गुजरना पड़ता। न कारखाने चल पाते, न रेल चल पाती, न खेतों में पानी पहुंच पाता, यानी कांग्रेस की सरकार रहती, तो ऐसे ही संकट बने रहते।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने दीनबंधु छोटूराम थर्मल पावर प्रोजेक्ट की तीसरी इकाई की शुरुआत की, जिससे यमुनानगर और आस-पास के औद्योगिक क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है।

इस पावर प्लांट की खासियत बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा में इस समय 16,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है और आने वाले वर्षों में इसे 24,000 मेगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य है। उन्होंने यह भी कहा कि बिजली उत्पादन के साथ-साथ हम देश के नागरिकों को पावर जनरेटर बना रहे हैं। इस दिशा में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की गई है, जिसके तहत लोग अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाकर न केवल अपना बिजली बिल शून्य कर सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी भी कर सकते हैं। अब तक देश के 1.25 करोड़ से अधिक लोग इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं और हरियाणा के लाखों नागरिक भी इससे जुड़ चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि इस योजना से एक नया इकोसिस्टम तैयार हो रहा है जिसमें नई स्किल्स, कंपनियों के लिए अवसर और युवाओं के लिए रोजगार के रास्ते खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों और गांवों में छोटे उद्योगों को ऊर्जा की आपूर्ति के साथ-साथ सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि उनके पास पूंजी की भी कोई कमी न हो। कोरोना काल के दौरान एमएसएमई को बचाने के लिए सरकार ने लाखों करोड़ों रुपए की सहायता दी। उन्होंने बताया कि छोटे उद्योगों के विकास के लिए एमएसएमई की परिभाषा भी बदली गई ताकि जैसे-जैसे वे आगे बढ़ें, सरकारी सहयोग बना रहे।

प्रधानमंत्री ने मुद्रा योजना की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और बताया कि पिछले दस वर्षों में इस योजना के तहत बिना किसी गारंटी के 33 लाख करोड़ रुपए के ऋण दिए जा चुके हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि इनमें से 50 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों से हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश यही है कि छोटे उद्योग देश के युवाओं के बड़े सपनों को पूरा करने का माध्यम बनें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि औद्योगिक और ऊर्जा क्षेत्र में सरकार के ये प्रयास आत्मनिर्भर भारत की नींव को और मजबूत बना रहे हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के औद्योगिक दृष्टिकोण को याद करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक न्याय के लिए उद्योगों के विकास को एक प्रभावी मार्ग बताया था। उन्होंने देश में छोटी जोतों की समस्या को पहचाना और कहा था कि दलितों को सबसे अधिक लाभ उद्योगों से मिल सकता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नई दिल्ली के संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर अंबेडकर जयंती के अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नई दिल्ली के संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर अंबेडकर जयंती के अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

कांग्रेस ने अपने शासन में बाबासाहेब का नाम तक लेने से गुरेज किया : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनका स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने 60 साल के शासन में बाबासाहेब का नाम तक लेने से गुरेज किया।

शिक्षा मंत्री का कहना है कि बाबासाहेब के जीवित रहते भी कांग्रेस द्वारा बार-बार उनका तिरस्कार किया गया। उनके जाने के बाद उन्हें इतिहास के पटल से मिटाने की कोशिशें की गईं। आज पूरा देश बाबासाहेब की जयंती पर उन्हें नमन कर रहा है। बाबासाहेब का पूरा जीवन समतामूलक समावेशी समाज बनाने के लिए समर्पित रहा। वे महान देशभक्त तथा स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र की स्थापना के अग्रदूत थे।

उन्होंने यह भी कहा कि हमारे लोकतंत्र को संविधान रूपी महान उपहार बाबासाहेब से मिला है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, बाबासाहेब के विराट व्यक्तित्व और विचारों से प्रेरणा लेकर भारत और भारत का लोकतंत्र नई ऊंचाइयों को छू रहा है। समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की जो परिकल्पना बाबा साहेब ने देश के सामने रखी थी, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश साकार कर रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबासाहेब के विचारों को लेकर भाजपा कार्यकर्ता एवं सरकार देश के कोने-कोने तक जा रहे हैं। गली-गली, गाँव-गाँव, कस्बे-कस्बे तक उनके महान विचारों को पहुंचाया जा रहा है। प्रधान ने कहा कि दुखद है कि इसके लिए देश को दशकों तक इंतजार करना पड़ा है। अपने 60 साल के शासन में कांग्रेस पार्टी बाबासाहेब का नाम तक लेने से गुरेज करती रही। कांग्रेस ने बाबासाहेब के रहते भी उनका बार-बार तिरस्कार किया और उनके जाने के बाद भी उन्हें इतिहास के पटल से मिटाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। लेकिन आज देशवासियों को गौरव है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही बाबासाहेब के विचारों को लेकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। बाबा साहेब से जुड़े स्थलों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करके महान प्रतीकों की स्थापना की है। देश के गरीब, वंचित, शोषित, पिछड़ा, महिला सहित सर्वसमाज की प्रगति को प्राथमिकता दी है।

धर्मेंद्र प्रधान कहा कि वह आज बाबा साहेब की जयंती पर उन्हें बार-बार नमन करते हैं।

राजस्थान में अदालतों का समय बदला : अब सुबह 8 बजे से दोपहर तक होगी सुनवाई

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में गर्मियों के मौसम को देखते हुए अदालतों का समय बदल दिया गया है। 15 अप्रैल से प्रदेश की सभी अदालतें मॉर्निंग शिफ्ट में काम करेंगी। यह नई व्यवस्था राजस्थान हाईकोर्ट से लेकर सभी अधीनस्थ अदालतों में लागू होगी। नए शेड्यूल के अनुसार, हाईकोर्ट में सुनवाई का समय अब सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक रहेगा, जबकि अधीनस्थ अदालतों में यह समय सुबह 8 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। अदालतें 27 जून तक इसी शेड्यूल पर काम करेंगी। इसके बाद 1 जुलाई से फिर पुराने समयानुसार कार्यवाही शुरू होगी।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर बोले गिरिराज सिंह, वक्फ को लेकर ममता बनर्जी फैला रहीं भ्रम

बेगूसराय (आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता गिरिराज सिंह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह हिंसा सरकार की नाकामी का सबूत है और ममता बनर्जी हिंदुओं को पलायन के लिए मजबूर कर रही हैं। साथ ही, उन्होंने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप विपक्षी नेताओं पर लगाया।

गिरिराज सिंह ने मुर्शिदाबाद की हिंसा को दुखद बताते हुए कहा कि यह घटना जम्मू-कश्मीर के 1990 के दशक की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि लोगों की दुकानें लूटी गईं, घर जलाए गए। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इतनी बड़ी घटना बिना सरकार की शह के नहीं हो सकती। ममता बनर्जी रक्षक थीं, लेकिन अब भक्षक बन गई हैं। क्या बंगाल कश्मीर या बांग्लादेश बन जाएगा?

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में लोगों को अपनी बात रखने का हक है, लेकिन संपत्ति और जान-माल की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है, जिसमें ममता सरकार पूरी तरह विफल रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हरियाणा के हिसार हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन के शिलान्यास समारोह के दौरान। साथ में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद।

सरकार का बड़ा फैसला, 55 लाख गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन किए गए रद्द

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पुरानी गाड़ियों पर शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। सरकार ने 15 साल से पुरानी गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। दिल्ली में 15 साल से पुराने वाहन करीब 55 लाख से ज्यादा है।

परिवहन विभाग द्वारा जारी सूचना के मुताबिक 2024 से दिल्ली में 10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से पुरानी पेट्रोल/सीएनजी गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। इन वाहनों में ट्रक, कैब, कार, मोटरसाइकिल और ऑटो रिक्शा भी शामिल है। सार्वजनिक जगहों पर इन गाड़ियों को पार्क करने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसमें घर के बाहर की जगह भी शामिल है। वहीं, इन पुराने वाहनों को फ्यूल स्टेशन पर पेट्रोल और डीजल भी नहीं मिलेगा इस नई नीति को लागू करने के लिए दिल्ली के 477 फ्यूल स्टेशनों पर ,हक्क्र (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन) कैमरे लगाए जा चुके हैं। अगर ये पुराने वाहन दिल्ली के सार्वजनिक स्थानों में चलती या पार्क होती दिखाई दीं तो इन्हें जब्त किया जा सकता है। इसके अलवा 5 हजार या 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी : अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर सबको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। आइए 'सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के लिए अपने 'स्वाभिमान-स्वमान' की अनुभूति को और सुदृढ़ करके, एकजुट होकर बाबासाहेब की देन व धरोहर 'संविधान और आरक्षण' बचाने के पीडीए के आंदोलन को नई ताकत प्रदान करें और दोहराएं कि 'संविधान ही संजीवनी' है और 'संविधान ही ढाल है' और ये भी कि जब तक संविधान सुरक्षित रहेगा, तब तक हम सबका मान-सम्मान-स्वाभिमान और अधिकार सुरक्षित रहेगा। उन्होंने आगे लिखा कि 'स्वमान' के तहत हमने अपने सौहार्दपूर्ण, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक मानक और मूल्यों के साथ ही अपनी 'स्वयं की एकता' के मूल्य को समझकर, इस पीडीए रूपी एकजुटता की परिवर्तनकारी शक्ति का भी मान समझें। 'स्वाभिमान-स्वमान' के माध्यम से ही पीडीए समाज के लोग अपनी निर्णायक शक्ति हासिल करके उत्पीड़न, अत्याचार और पीड़ा से मुक्त होकर, स्वाभिमान से जीने का हक और अधिकार पा पाएंगे और दमनकारी, उत्पीड़नकारी, वर्चस्ववादी, प्रभुत्ववादी, शक्तिकामी नकारात्मक ताकतों को संवैधानिक जवाब दे पाएंगे। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने लिखा कि पीडीए की एकता ही संविधान और आरक्षण बचाएगी, पीडीए की एकजुटता ही सुनहरा भविष्य बनाएगी।

टीएमसी सांसद का विवादित बयान, बोले- वक्फ प्रॉपर्टी पर बुरी नजर डाली तो निकाल लेंगे आंखें

कोलकाता (आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस (ञ्रस्ष्ट) के मथुरापुर से सांसद बापी हलदर ने एक विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि वक्फ की संपत्ति एक विशेष समुदाय की संपत्ति है और यदि किसी ने इस पर बुरी नजर डाली तो उसकी आंखें निकाल ली जाएंगी और हाथ-पैर तोड़ दिए जाएंगे। हलदर ने यह भी कहा कि वक्फ की संपत्ति की रक्षा करना उनकी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की जिम्मेदारी है, और लोगों को इसके लिए निश्चिंत रहना चाहिए।

हलदर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब बंगाल में वक्फ कानून का पुरजोर विरोध हो रहा है। शुक्रवार को राज्य के मुर्शिदाबाद, दक्षिण 24 परगना, मालदा और हुगली जिलों में व्यापक हिंसा देखने को मिली थी। इस हिंसा में अब तक तीन लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में 150 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है।

पटना में एक आराघर के गोदाम में लगी आग को बुझाने का प्रयास करते अग्निशमन कर्मी, आगे की क्षति को रोकने के साथ ही सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करते हुए.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के मंत्री रविन्द्र इंद्रराज सिंह नई दिल्ली के शाह ऑडिटोरियम में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

मंत्री हफीजुल हसन ने शरीयत को संविधान से ऊपर बताया, भाजपा ने की बर्खास्त करने की मांग

रांची (आरएनएस)। झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और झामुमो नेता हफीजुल हसन अंसारी ने अपने एक बयान में इस्लामिक कानून शरीयत को संविधान से ऊपर बताया है। उनके इस बयान पर सूबे का सियासी माहौल गर्म हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं ने उनके बयान पर गहरी आपत्ति जताते हुए मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की है। अंसारी ने कहा, शरीयत मेरे लिए बड़ा है। हम कुरान सीने में रखते हैं और हाथ में रखते हैं संविधान। मुसलमान कुरान सीने में और संविधान हाथ में लेकर चलता है। तो, हम पहले शरीयत को पकडेंगे, उसके बाद संविधान में... मेरा इस्लाम यही कहता है।

झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अंसारी के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, मंत्री हफीजुल हसन के लिए संविधान नहीं, शरीयत मायने रखता है, क्योंकि ये अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट हैं और सिर्फ अपने कौम के प्रति वफादार। चुनाव के समय इन्होंने गरीब, दलित, आदिवासियों के सामने हाथ जोड़कर वोट मांगा और अब अपना इस्लामिक एजेंडा चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

मरांडी ने इस बयान को खतरनाक करार देते हुए आगे लिखा, हफीजुल की यह कट्टर सोच पूरे प्रदेश विशेषकर संथाल परगना की सांस्कृतिक पहचान और आदिवासी अस्मिता के लिए खतरा बनती जा रही है। संवैधानिक पद पर बैठा कोई भी व्यक्ति यदि कट्टरपंथी विचारधारा को बढ़ावा देता है, तो वह न सिर्फ वर्तमान, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी खतरा उत्पन्न करता है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस विषय में राजनीतिक सीमाओं से ऊपर उठकर सभी पक्षों के नेताओं को आत्ममंथन करने की जरूरत है। शरीयत, बाबा साहेब द्वारा रचित संविधान की मूल भावना के विपरीत है। यदि राहुल गांधी और हेमंत सोरेन को संविधान के प्रति सच्ची आस्था है, तो उन्हें तुरंत हफीजुल हसन को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री और रांची के भाजपा सांसद संजय सेठ ने अंसारी के बयान को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि आज पूरा देश संविधान निर्माता को याद कर अंबेडकर जयंती मना रहा है और इधर संविधान की शपथ लेकर सरकार में शामिल होने वाले झारखंड के मंत्री संविधान से ऊपर शरिया को बता रहे हैं। यह लोकतंत्र का दुर्भाग्य है।

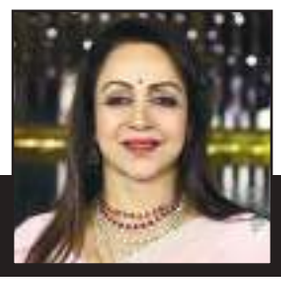

2023 में सनी देओल ने फिल्म गदर 2 के साथ वापसी की। यह बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी सफलता साबित हुई और सनी के अभिनय करियर को पुनर्जीवित किया। उसी वर्ष, धर्मेंद्र ने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में अभिनय किया और कलाकारों की टोली के बीच लाइमलाइट बटोरी। 2023 के अंत में, बॉबी देओल ने एनिमल के साथ वापसी की और फिर से स्क्रीन पर अपनी योग्यता साबित की। इस साल की शुरुआत में, ईशा देओल ने फिल्म तुमको मेरी कसम के साथ सिल्वर स्क्रीन पर अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी की।

एल्नाज़ नोरौजी ने आखिरकार जेरार्ड बटलर के साथ अपने वायरल वीडियो पर चुप्पी तोड़ी

कई सप्ताह की अटकलों और जिज्ञासा के बाद ईरानी-जर्मन अभिनेत्री एल्नाज़ नोरौजी ने अंततः उस वायरल वीडियो के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ दी है, जिसमें वह हॉलीवुड स्टार जेरार्ड बटलर के साथ नजर आई थीं। कुछ दिनों पहले, एलनाज और जेरार्ड के साथ समय बिताते हुए एक वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हुआ था। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने अनुमान लगाया कि वे दोनों साथ में छुट्टियां मना रहे हैं। हालांकि, एलनाज ने अब स्पष्ट किया है कि यह निजी पल उस समय का है जब वह और जेरार्ड फिल्म कंधार पर साथ काम कर रहे थे।

सेक्रेड गेम्स की अभिनेत्री ने बताया, मुझे पता है कि वीडियो सर्कुलेट हो रहा है। यह उस समय का एक निजी पल था जब जेरार्ड और मैं कंधार पर साथ काम कर रहे थे। मैं वास्तव में ऐसी परियोजनाओं से मिलने वाली दोस्ती और अनुभवों को महत्व देती हूं, और मैं कुछ यादों को निजी रखना पसंद करती हूं। हालांकि, मैं रुचि की सराहना करती हूं।

कंधार एलनाज की पहली हॉलीवुड फिल्म थी, जिसमें उनकी पहली मुलाकात स्कॉटिश अभिनेता और फिल्म निर्माता जेरार्ड बटलर से हुई थी। हालांकि उनका पेशेवर जुड़ाव सेट पर शुरू हुआ, लेकिन ऐसा लगता है कि उनकी दोस्ती समय की कसौटी पर खरी उतरी है। इससे पहले, एक बयान में नोरौजी ने बटलर के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए इसे वास्तव में जादुई अनुभव बताया। उन्होंने बताया कि बटलर न केवल पूरी फिल्मांकन प्रक्रिया के दौरान मज़ेदार और अविश्वसनीय रूप से दयालु थे, ००

केसरी 2 को सेंसर बोर्ड की मंजूरी, अक्षय कुमार की फिल्म को मिला ए सर्टिफिकेट

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म केसरी 2 का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अक्षय कुमार की फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने पास भी कर दिया है। अक्षय की फिल्म को सीबीएफसी ने ए सर्टिफिकेट दिया है। अक्षय कुमार की फिल्म को करण सिंह त्यागी डायरेक्ट कर रहे हैंय् करण सिंह त्यागी का डायरेक्टर के तौर पर ये डेब्यू है।

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने अक्षय कुमार की फिल्म को ए सर्टिफिकेट दिया है, जो शायद जलियांवाला बाग हत्याकांड के ग्राफिक चित्रण के कारण मिला है। सीबीएफसी की वेबसाइट के अनुसार, अक्षय कुमार के कोर्टरूम ड्रामा का रनटाइम 135 मिनट और 6 सेकंड है।

मानुषी छिल्लर ने ग्लैमरस अवतार से बढ़ाया तापमान, एक्ट्रेस की कातिल अदाओं ने फैंस को बनाया दीवाना

पूर्व मिस वर्ल्ड और बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर ने एक बार फिर अपने स्टाइल और एलिगेंस से फैंस का दिल जीत लिया है. हाल ही में मानुषी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह स्ट्रैपलेस ब्लू ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं. मानुषी ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, नीला पहनना, लेकिन बिल्कुल विपरीत महसूस करना यानी उन्होंने भले ही नीला रंग पहना है, लेकिन उनका मूड बिल्कुल उसके विपरीत यानी काफी पॉज़िटिव और फ्रेश है.

तस्वीरों में मानुषी का कॉन्फिडेंस, उनके खुले बाल और मिनिमल मेकअप लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है. कई फैंस ने उन्हें क्रश , गॉर्जियस और क्लीन जैसे कॉम्प्लिमेंट्स दिए. एक यूज़र ने लिखा, आपका स्टाइल और एटीट्यूड दोनों ही कमाल के हैं. इस लुक में मानुषी एक छोटे से सिल्वर हैंडबैग के साथ नजर आ रही हैं, जो उनके आउटफिट को एक परफेक्ट फिनिश टच दे रहा है.

वर्क फ्रंट की बात करें तो मानुषी ने अक्षय कुमार के साथ फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से बॉलीवुड में डेब्यू किया था और अब वे कई प्रोजेक्ट्स में नज़र आने वाली हैं. मानुषी की ये फोटोज़ न सिर्फ़ सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं बल्कि फैशन लवर्स के लिए भी एक स्टाइल इंस्पिरेशन बन चुकी हैं.

बॉक्स ऑफिस पर चिल्लर बटोर रही सिकंदर, तीसरे दिन दिखा सनी देओल की जाट का जलवा

सलमान खान की हर फिल्म की तरह उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर को लेकर भी खूब हो-हल्ला मचा हुआ था और जिस स्तर पर फिल्म का प्रचार किया जा रहा था और साउथ के निर्देशक व सितारे तक इसमें शामिल थे तो कयास लगाए जा रहे थे कि यह बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ देगी, लेकिन हुआ ठीक इसका उल्टा। उधर सनी देओल की फिल्म जाट ने शनिवार को यानी वीकेंड में बढ़िया कमाई कर ली है। सैकनिल्क के मुताबिक, जाट ने तीसरे दिन 10 करोड़ रुपये कमाए हैं। 3 दिनों में यह फिल्म भारत में 26.50 करोड़ कमा चुकी है। जाट ने तीसरे दिन अब तक की सबसे ज्यादा कमाई की है। पहले दिन इसने 9.5 करोड़, जबकि दूसरे दिन आंकड़ा 7 करोड़ पहुंच गया और तीसरे दिन यह कमाई 10 करोड़ रुपये तक जा पहुंची है। अगर फिल्म ऐसे ही आगे बढ़ती रही तो यह अपना 60 करोड़ रुपये का बजट आराम से निकाल लेगी। वैसे सनी की जाट के पास अभी ज्यादा समय नहीं। क्योंकि 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में केसरी 2 रिलीज होने वाली है। अक्षय कुमार की जलियालावाबाग हत्याकांड पर आधारित इस फिल्म को देखने के लिए दर्शक बेताब है। ऐसे में भले ही सलमान की सिकंदर से जाट को खतरा नहीं हुआ. लेकिन अक्षय की फिल्म से जरूर हो सकता है। अब बॉक्स ऑफिस पर अक्षय, सनी के लिए मुसीबत बनेंगे या नहीं, ये तो वक्त ही बताएगा। जाट असल में साउथ इंडियन स्टाइल में 80 के दशक वाले एंग्री यंग मैन सनी देओल की वापसी है, जो विशेष रूप से उस किस्म की मसाला फिल्मों के शौकीनों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। साउथ के जाने-माने निर्देशक गोपीचंद मलिनेनी ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। फिल्म में रणदीप हुड्डा और विनीत कुमार सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई है इस एक्शन एंटरटेनर की कहानी लोगों को पसंद नहीं आई है। दूसरी ओर सिकंदर 2025 ईद पर रिलीज होने के बावजूद यह बॉक?स ऑफिस पर बंपर कमाई नहीं कर पाई। फिल्म लाखों में कमाई कर रही है। फिल्म को रिलीज हुए 14 दिन गुजर चुके हैं और 200 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म भारत में अब तक सिर्फ 108.50 करोड़ रुपये करोड़ रुपये कमा पाई है।

सिकंदर के बाद आमिर खान संग धमाल मचाएंगे सलमान खान, री-रिलीज हो रही अंदाज अपना-अपना, नया ट्रेलर जारी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान हाल ही में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सिकंदर के सिनेमाघरों में आने के बाद सुर्खियों में आए. फिल्म में साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी हैं. इस फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं. इस बीच, उन्होंने सोशल मीडिया पर 30 साल बाद सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने आ रहा कल्ट क्लासिक फिल्म अंदाज अपना-अपना. सलमान खान ने फिल्म का नया ट्रेलर साझा किया है. सलमान खान ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर अंदाज अपना-अपना का नया ट्रेलर जारी किया है और कैप्शन में लिखा है, अमर प्रेम का अंदाज वापस आ गया है. अंदाज अपना अपना 25 अप्रैल 2025 को देशभर में सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी.

नए ट्रेलर ने फैंस को पुरानी यादों और उत्साह से भर दिया हैं. पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, एक्साइटे, मेरा ऑलटाइम फेवरेट. दूसरे ने लिखा, अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म मेरा ऑलटाइम फेवरेट. कॉमेडी कैटेगरी में लीजेंड फिल्म कह सकते हैं. एक ने लिखा, बेस्ट कल्ट मूवी में से एक. एक ने लिखा, जरूर जाएंगे ये फिल्म देखने. थिएटर का मजा अलग होगा.

अंदाज अपना अपना का ओरिजिनल रिलीज 4 नवंबर 1994 था. राजकुमार संतोषी निर्देशित फिल्म अंदाज अपना-अपना ने उस समय बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं चली, लेकिन समय के साथ, यह एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिसे इसकी मजेदार कहानी, अनोखे किरदार और वन-लाइनर्स के लिए पसंद किया गया. इस फिल्म में सलमान खान और आमिर खान ने दो प्यारे दोस्त प्रेम और अमर की भूमिका निभाई है

अंदाज अपना-अपना ने दर्शकों के दिलों में अपनी एक खास जगह बना ली है. अपने मजेदार स्टोरी और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर इस फिल्म में सलमान खान-आमिर खान के अलावा रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर भी हैं. परेश रावल ने इस फिल्म में डबल रोल निभाया है. शक्ति कपूर का क्राइम मास्टर गोगो ने जल्द ही दर्शकों का दिल जीत लिया. वहीं परेश रावल के डबल रोल ने इसमें तड़का लगाने का काम किया है.

कपिल शर्मा की फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 का नया पोस्टर जारी, दिखी एक और रहस्यमयी दुल्हन

कॉमेडियन कपिल शर्मा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उनकी नई फिल्म का नया पोस्टर जारी किया गया है। इसमें वह सिख दूल्हा बने हैं। अब तक फिल्म के कई पोस्टर जारी किए जा चुके हैं। इससे पहले ईद और राम नवमी के मौके पर फिल्म का पोस्टर रिलीज किया जा चुका है।

किस किसको प्यार करूं 2 का नया पोस्टर बैसाखी के मौके पर रिलीज किया गया है। नए पोस्टर में कपिल शर्मा एक सरदार बने हैं। उन्होंने हल्की गुलाबी रंग की शेरवानी और पगड़ी पहनी हुई

नानी की क्राइम थ्रिलर फिल्म हिट 3 के ट्रेलर लॉन्च का एलान, आज होगा रिलीज?

साउथ फिल्मों के नेचुरल स्टार के रूप में पहचाने जाने वाले अभिनेता नानी की आगामी फिल्म हिट- द थर्ड केस सिनेमाघरों में आने को तैयार है। इससे पहले निर्माताओं ने फैंस के लिए फिल्म का ट्रेलर जारी करने की घोषणा की है, जिसके लिए खास तैयारी की गई है। जानिए कब और कहां रिलीज होगा ट्रेलर? शैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित फिल्म हिट- द थर्ड केस के निर्माताओं ने फिल्म के ट्रेलर लॉन्च की भव्य तैयारी की है। इस फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट आंध्र प्रदेश के वाइजैग शहर में आयोजित किया जाएगा। ट्रेलर लॉन्च इवेंट का यह कार्यक्रम 14 अप्रैल को वाइजैग शहर के संगम थिएटर में सुबह 10-30 बजे होगा। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के लिए ऑनलाइन सुबह 11 बजकर 7 मिनट पर रिलीज किया जाएगा। इसके ट्रेलर का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। नानी के लुक ने टीजर में सभी दर्शकों को हैरान कर दिया था।

जानें-अनजाने हम सभी कर रहे हैं माइक्रोप्लास्टिक का सेवन, इन तरीकों से करें कम

घर की रसोई में जिन खाद्य पदार्थों का हम रोजाना इस्तेमाल करते हैं, इन दिनों उनमें प्लास्टिक की मौजूदगी दर्ज की जा रही है। प्लास्टिक के इन महीन कणों को माइक्रोप्लासटिक कहा जाता है, जो 5 मिलीमीटर से भी छोटे होते हैं और इन्हें देख पाना मुश्किल होता है।

इन कणों को 2 प्रकार (प्राथमिक माइक्रोप्लास्टिक्स और द्वितीयक माइक्रोप्लास्टिक्स) में बांटा जाता है। आप माइक्रोप्लासटिक के सेवन को कम करने के लिए ये टिप्स अपना सकते हैं।

प्लास्टिक की बोतलों में पानी पीना बंद करें

ज्यादातर लोग घर से बाहर निकलते ही प्लास्टिक वाली पानी की बोतल खरीद लेते हैं। हालांकि, ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती हैं।

अमेरिका के एक अध्ययन में सामने आया है कि बोतलबंद पानी में लाखों छोटे-छोटे प्लास्टिक के कण होते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को प्रभावित कर सकते हैं। एक लीटर बोतलबंद पानी में औसतन 2.40 लाख माइक्रोप्लास्टिक होते हैं।

इसीलिए, आपको प्लास्टिक की बोतल के बजाय स्टील, तांबे या अन्य धातुओं वाली बोतल में पानी पीना चाहिए।

नल के पानी को फिल्टर करें

माइक्रोप्लास्टिक आमतौर पर नल के पानी को दूषित करते हैं। नल के पानी में ये प्लास्टिक के कचरे और वायुमंडलीय जमाव जैसे स्रोतों के जरिए प्रवेश करते हैं।

इसे पीने से आप बीमार पड़ सकते हैं या आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो सकती है। ऐसे में आपको पीने से पहले नल के पानी को अच्छी तरह फिल्टर कर लेना चाहिए।

घर में आरओ लगवाएं या अन्य तरीकों को अपनाकर पानी को शुद्ध करने का प्रयास करें।

पैकेट वाले खाद्य पदार्थों से परहेज करें

बाजार में बिकने वाले सभी खाद्य पदार्थों के पैकेट प्लास्टिक के ही होते हैं, फिर चाहे वो चिप्स हो या इंस्टेंट नूडल्स।

माइक्रोप्लास्टिक का सेवन कम करने के लिए आपको अपने खान-पान से प्लास्टिक के पैकेट वाले खाद्य पदार्थों को भी बाहर कर देना चाहिए। इनके बजाय ताजी सब्जियां और फल खरीदें और उन्हें कपड़े के थैलों में रखकर घर ले जाएं।

इसके अलावा, ऐसे प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों को खरीदें, जो कांच, कपड़े या कागज वाली पैकेजिंग में बिकते हों।

जांचने के बाद ही नमक और चीनी खरीदें हमारी रसोई में खान-पान के लिए रोजाना इस्तेमाल होने वाली चीनी और नमक में भी प्लास्टिक के कण पाए जाते हैं। एक अध्ययन में कहा गया है कि भारत में बिकने वाले सभी ब्रांड के नमक और चीनी में माइक्रोप्लास्टिक मौजूद होते हैं। ऐसे में आपको अपनी ओर से जांच करनी चाहिए और उसके बाद ही नमक और चीनी का चुनाव करना चाहिए। आप चीनी की जगह पर गुड़, खजूर या शहद का सेवन भी कर सकते हैं।

खाना पकाते समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना खो देंगे खाने की पौष्टिकता

खुद को हेल्दी बनाए रहने के लिए पौष्टिक भोजन करना बहुत जरूरी है, इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है. शरीर को हेल्दी बनाए रहने के लिए विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व बहुत जरूरी है. इसमें जितना हो आप हेल्दी और घर पर बना ताजा भोजन खाएं. लेकिन लोग अनजाने में खाना बनाते समय कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिससे खाने की पौष्टिकता पर असर पड़ता है. इसकी वजह से खाने की पौष्टिकता कम हो जाती है. ऐसे में हम आपको इस लेख में बताएंगे खाना पकाने के समय से जुड़े कुछ ऐसे ही गलतियों के बारे में, जिससे खाने की पौष्टिकता कम हो जाती है.

ज्यादा खाना को पकाना

अक्सर लोग सब्जियों को स्वादिष्ट बनाने के लिए लंबे समय तक पकाते हैं. लेकिन सब्जियों को लंबे समय तक पकाने या तलने से उनमें मौजूद पोषक तत्व जैसे विटामिन और एंजाइम की मात्रा कम हो जाती है और स्वाद भी खराब हो जाता है. इसलिए सब्जियों को ज्यादा समय तक नहीं पकाना चाहिए.

तेज आंच पर खाना पकाना

भोजन को तेज आंच पर पकाने से पोषक तत्वों की गुणवत्ता कम हो जाती है. इसलिए आपको हमेशा धीमी आंच पर ही खाना बनाना चाहिए. धीमी आंच पर खाना पकाने खाने में भोजन में पोषक तत्व बरकरार रहते हैं.

अधिक पानी में खाना बनना

अगर खाना पकाने के लिए बहुत यादा पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इससे खाने में मौजूद पोषक तत्व कम हो सकते हैं. ऐसे में आप सब्जियों को उबालने के बजाय भाप में पकाएं. ऐसा करने से सब्जियों की पौष्टिकता कम नहीं होती है.

शब्द सामर्थ्य -018

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. मृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

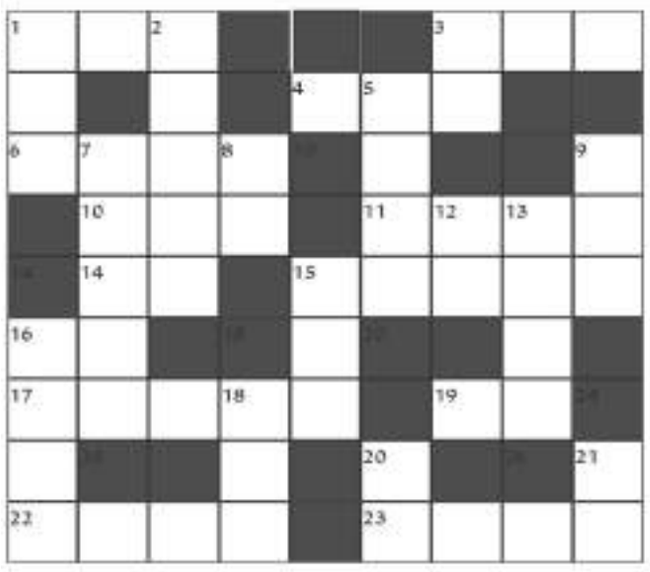

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 017 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	वं	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) थाना गढ़ा में श्रीमती अर्चना झारिया उम्र 34 वर्ष निवासी पचास क्वाटर सैनिक सोसायटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सब्जी बेचने का काम करती है उसकी शादी लगभग 20 वर्ष पूर्व सुरेन्द्र झारिया निवासी पड़वार देवरी थाना बरेला के साथ हुयी थी लगभग 15 वर्ष से अपने पति के साथ इंद्राबस्ती गढ़ा में रह रही है उसके 2 बच्चे है उसका पति आये दिन उसके साथ मारपीट कर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है उस पर शक करता है लगभग एक वर्ष से अपने पति से अलग सैनिक सोसायटी में किराये से रह रही है।

भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग ऋषिकेश-कर्णप्रयाग परियोजना की सुरंग संख्या 8 का उद्घाटन

जबलपुर। भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग ऋषिकेश-कर्णप्रयाग परियोजना की सुरंग संख्या 8 का उद्घाटन समारोह रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, उत्तराखंड के सीएम और स्थानीय सांसद श्री अनिल बलोनो जी की मौजूदगी में हुआ। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना में 14.58 किमी लंबी सुरंग संख्या 8 भारत की सबसे लंबी परिवहन सुरंग बनने जा रही है। वर्तमान में रेल सुरंग - उधमपुर श्रीनगर बारामुल्ला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) के कटरा-बनिहाल खंड पर खारी और सुंबर स्टेशनों के बीच 12.75 किमी सड़क सुरंग - 9.02 किमी - अटल सुरंग को मनाली-लेह राजमार्ग में सबसे लंबी सड़क सुरंग माना जाता है।

मुख्य विशेषताएं

12 स्टेशन, 19 बड़े पुल, 38 छोटे पुल

परियोजना की कुल लंबाई= 125.20

इसमें से 83त्न सुरंग है (104 किमी)

14.72त्न खुले तटबंध हैं (18.4 किमी)

2.21त्न महत्वपूर्ण पुल हैं (3.07 किमी)

मुख्य सुरंग की कुल लंबाई 104 किमी और सुरंगों की संख्या 16 है

परियोजना की कुल सुरंग की लंबाई 213.57 किमी है (104 किमी की 16 मुख्य सुरंग, 97.72 किमी की 12 एस्केप सुरंग और 7.05 किमी क्रॉस पैसेज)

सबसे लंबी सुरंग= 14.58

पुल की लंबाई= आधा किमी श्रीनगर पुल संख्या 09 पुल की ऊंचाई 46.9 मीटर गौचर पुल 15सबसे लंबा पुल= 125 मीटर देवप्रयाग पुल 06 सुरंग= 6.00 किमी से आगे, सरेखण सुरंगों में है। 16 सुरंगों को 10 पैकेजों में विभाजित किया गया है। डीडी और पीएमसी अनुबंधों ने सभी पैकेजों में डिजाइन का काम पूरा कर लिया है। सभी सुरंगों के सुरंग निर्माण कार्य एक साथ शुरू हुए। वर्तमान सुरंग निर्माण प्रगति (मुख्य सुरंग, एस्केप सुरंग, एडिट और क्रॉस पैसेज सहित) 213 किमी के कुल दायरे के मुकाबले 195 किमी है। लंबी सुरंगों के शीघ्र पूरा होने की सुविधा के लिए सुरंग खुदाई के अतिरिक्त कार्य-मुख बनाने के लिए विभिन्न सुरंगों में आठ एडिट की पहचान की गई थी और मुख्य सुरंग निर्माण कार्य शुरू होने से पहले उन्हें पूरा कर लिया गया था। सुरंग निर्माण और टी-08 सुरंग

आईआर में 2014 तक सुरंग की कुल लंबाई 125 किमी थी और 2014 से सुरंग निर्माण का काम 468.08 किमी यानी 3.7 गुना हो चुका है

यह हिमालयी भूगर्भीय भूभाग में सुरंग निर्माण में टीबीएम का पहला सफल प्रयोग है और भारतीय रेलवे में पहला

टीबीएम सिंगल शील्ड 9.11 मीटर उत्खनन व्यास ने 10.4 किमी सुरंग बनाई है एनएटीएम ने 4.11 किमी सुरंग बनाई है।

टीबीएम को लॉन्च करने के लिए पोर्टल ओ1 से पहले 600 मीटर एनएटीएम द्वारा किया गया था। पोर्टल 2 जनसू छोर से एनएटीएम ने लगातार काम किया।

1. भूवैज्ञानिक सेटिंग=

संरचना= सुरंग मुख्य रूप से जौनसार समूह के चांदपुर संरचना से होकर गुजरती है।

चट्टान का प्रकार= मुख्य चट्टान इकाई चांदपुर फिलाइट है, जिसमें शामिल हैं=

क्वार्टजाइट चट्टानों के अंतर्संबंधों के साथ क्वार्जिटिक और शिस्टोज फिलाइट

क्वार्ट्ज शिराओं की उपस्थिति

2. चट्टान द्रव्यमान विशेषताएँ=

संरचना= बहुत बारीकी से संयुक्त और पत्तेदार अपक्षय और शक्ति= थोड़ा से मध्यम रूप से अपक्षयित और मध्यम रूप से कमजोर से मध्यम रूप से मजबूत चट्टान द्रव्यमान

भूवैज्ञानिक परिवर्तनशीलता= सुरंग सरेखण के साथ चट्टान द्रव्यमान की स्थिति में उच्च परिवर्तनशीलता।

3. जांच बाधाएँ=

पहुँच की कठिनाई= ऊबड़-खाबड़ हिमालयी इलाके के कारण चुनौतीपूर्ण पहुँच, जिसके कारण सीमित भूवैज्ञानिक डेटा मिलता है। भूवैज्ञानिक जाँच= प्रारंभिक बोरहोल= 7 नग, कुल लंबाई 1196 मीटर। अतिरिक्त बोरहोल= 2 नं., कुल लंबाई 1077 मीटर

4. ओवरबर्डन= अधिकतम ओवरबर्डन= 800 मीटर (लगभग 1 किमी), न्यूनतम ओवरबर्डन= 70 मीटरसुरंग का व्यवहार= निचोड़ना, बहुत अधिक निचोड़ने का व्यवहार अपेक्षित है, विशेष रूप से कमजोर चट्टान द्रव्यमान स्थितियों और गहराई के कारण औसत से उच्च ओवरबर्डन स्थितियों के तहत।

ञ्जक्करू सुरंग निर्माण में प्रमुख चुनौतियाँ

1. भूगर्भीय जटिलता=

विषम चट्टान स्थितियों की उपस्थिति - खराब से मध्यम और कठोर चट्टान तक - उत्खनन और समर्थन के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ पेश करती है। सुरंग मार्ग के लगभग 20त्न हिस्से में निचोड़ने वाली ज़मीन की स्थिति, निर्दिष्ट स्टॉप को छोड़कर निर्बाध ञ्जक्करू संचालन की आवश्यकता होती है। मध्यम से उच्च ओवरबर्डन और गहरे बैठे भूस्खलन में बड़ी विकृतियाँ/गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं।2. ञ्जक्करू संचालन और बाधाएँ=

निर्माण के दौरान चल रही भूवैज्ञानिक और भूभौतिकीय जाँच के साथ-साथ बिना रुके ञ्जक्करू प्रगति की आवश्यकता।

निचोड़ने वाले क्षेत्रों में ञ्जक्करू के फंसने का जोखिम। ञ्जक्करू को बिना किसी अनिर्धारित ठहराव के कठिन भूभाग और बदलती ज़मीनी स्थितियों से गुजरना चाहिए, जिसके लिए उच्च सिस्टम विश्वसनीयता और उत्तरदायी समर्थन की आवश्यकता होती है।

3. जल प्रवेश=

दो प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जल प्रवाह की पहचान की गई है, जिसकी अधिकतम प्रवाह दर 2000 एलपीएम है, जो उपकरण, सुरक्षा और प्रगति दर के लिए जोखिम पैदा कर रहा है। नालास स्थानों में संभावित जल।

4. अन्य चुनौतियाँ=

लॉजिस्टिक्स और परिवहन=

30 किलोमीटर लंबे राष्ट्रीय राजमार्ग पर सामग्री और खंडों का निरंतर परिवहन, मानसून के मौसम के प्रभावों (जैसे, भूस्खलन, सड़क बंद होना) और यात्रा (तीर्थयात्रा) के मौसम में यातायात की भीड़ से जटिल सामग्री और खंड वितरण निर्बाध रहना चाहिए, जिससे रसद और आपूर्ति श्रृंखला विश्वसनीयता पर दबाव पड़ता है।

बैकफ़िल ग्राउटिंग सिस्टम=

ग्राउट पाइपलाइन सिस्टम 11 किलोमीटर से अधिक फैला हुआ है, जिसके लिए लगातार सफाई और रखरखाव की आवश्यकता होती है; विभिन्न भूवैज्ञानिक और संरचनात्मक स्थितियों के कारण सुरंग खंडों में विभिन्न मिश्रण डिज़ाइनों के लिए अनुकूलन

समानांतर निर्माण गतिविधियाँ=

कई निर्माण गतिविधियों का एक साथ निष्पादन= क्रॉस पैसेज, सुरंग खुदाई और टीबीएम ऑपरेशन लॉजिस्टिक्स

रेलवे पुल=

कुल 19 प्रमुख पुल, 5 महत्वपूर्ण और 38 छोटे पुल। महत्वपूर्ण पुल गंगा जी पर 1, चंद्रभागा जी पर 1 और अलकनंदा जी पर 3 हैं 19 प्रमुख पुलों में से 08 प्रमुख पुल पूरे हो चुके हैं। तीन महत्वपूर्ण पुल पूरे हो चुके हैं, एक चंद्रभागा जी पर और दो अलकनंदा जी पर। ऋषिकेश में एनएच/एसएच पर एक आरओबी और एक आरयूबी का निर्माण पूरा हो चुका है।

गौचर, श्रीनगर और सिवाई में कार्य स्थलों तक पहुँच के लिए 03 प्रमुख सड़क पुल पूरे हो चुके हैं।

शेष महत्वपूर्ण और प्रमुख पुलों (11 की संख्या) पर काम प्रगति की अग्रिम अवस्था में है।

जनेकृविवि में श्रीमति संजु तिवारी लेखानियंत्रक के पद पर पदस्थ

जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय,जबलपुर में लेखानियंत्रक के पद पर श्रीमति संजु तिवारी को पदस्थ किया गया है। श्रीमति संजु तिवारी इसके पहले सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण अधिकारी, कार्यालय संभागीय संयुक्त संचालक, कोष एवं लेखा, जबलपुर में कार्यरत थी। आपने लेखाधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है तथा लेखानियंत्रक जनेकृविवि,जबलपुर का कार्य संपादित करेगी।

श्रीमति संजु तिवारी के लेखानियंत्रक के पद पर पदस्थ होने पर कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. अनीता बब्बर, कुलसचिव डॉ. ए.के. जैन, उपलेखानियंत्रक डॉ. अजय खरे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, तकनीकी अधिकारी इंजी.एस.के. जैन, सुरक्षा अधिकारी डॉ. वाय.एम.शर्मा, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. बी. एस. द्विवेदी सहित प्राध्यापक, वैज्ञानिक, अधिकारी-कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रेषित की है।

पोषण पखवाड़ा -छूटे हितग्राहियों का पोषण ट्रेकर एप पर कराया गया पंजीयन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। -महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आठ अप्रैल से बाईस अप्रैल तक चलाये जा रहे पोषण पंखवाड़ा के तहत आज बुधवार को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में हितग्राहियों के मोबाइल फोन पर पोषण ट्रेकर एप इनस्टॉल करवा कर उनका पंजीयन किया गया। इसके साथ ही पोषण ट्रेकर एप के हितग्राही मॉड्यूल पर हितग्राहियों की फेस रिकग्निशन तथा ई.केवायसी की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मनीष सेठ ने बताया कि पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत छूटे हितग्राहियों का पोषण ट्रेकर एप पर पंजीयन और उनके मोबाइल एवं आधार सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कराने के अलावा बुधवार को जन समुदाय के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्रों के आसपास स्थित हैंड पंपए नलए कुओंए तालाब जैसे जलस्रोतों की साफसफाई भी की गई तथा पानी के सदुपयोग एवं वर्षा जल के संचयन का संकल्प लिया गया।

अब मोबाइल एप पर घर बैठे कर सकेंगे राशन उपभोक्ता अपनी ई.केवायसी

एक मोबाइल फोन से कई हितग्राहियों की जा सकेगी ई.केवायसी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के पात्र हितग्राही अब मोबाइल फोन के माध्यम से घर बैठे अपनी ई.केवायसी की प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। मोबाइल एप पर घर बैठे ई.केवायसी की यह सुविधा केवल मध्यप्रदेश के राशन हितग्राहियों के लिये ही उपलब्ध रहेगी। इस मोबाइल एप को राज्य शासन के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा तैयार किया गया है।

ज्ञात हो कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न प्राप्त करने वाले सभी पात्र हितग्राहियों के लिये 30 अप्रैल तक ई.केवायसी की प्रक्रिया पूर्ण करना अनिवार्य किया गया हैए ताकि आगे भी उन्हें निर्बाध रूप से बिना किसी कठिनाई के खाद्यान्न प्राप्त होता रहे। जबलपुर जिले में कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देशानुसार राशन उपभोक्ताओं की ई.केवायसी करने वार्डों और ग्राम पंचायतों में शिविर लगाये जा रहे हैं। जिले के सभी उपभोक्ता से इन शिविरों में अथवा उचित मूल्य की दुकानों पर जाकर भी अपनी ई.केवायसी 30 अप्रैल के पहले अनिवार्य रूप से पूरी करा लेने का आग्रह किया गया है। राशन हितग्राहियों के सामने शिविरों और उचित मूल्य दुकानों के अलावा अब मोबाइल एप के माध्यम से घर बैठे अपनी एवं परिवार के सभी पात्र सदस्यों की ई.केवायसी करने की सुविधा भी उपलब्ध हो गई है।

मोबाइल एप के माध्यम से ई.केवायसी करने के लिये राशन हितग्राहियों को अपने स्मार्ट एंड्रॉयड मोबाइल फोन पर गूगल प्ले स्टोर से मेरा मज़ल्ब् एप डाउनलोड करना होगा। मोबाइल एप डाउनलोड करने के साथ ही राशन उपभोक्ताओं को अपने मोबाईल पर फेस आरडी की लिंक को भी डाउनलोड करना जरूरी होगा। हितग्राहियों को इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि मेरा मज़ल्ब् एप का उपयोग करते समय उनकी मोबाईल लोकेशन अनिवार्यत: चालू रहे। मोबाइल एप और फेस आरडी की लिंक डाउनलोड करने के बाद हितग्राहियों को एप के दाहिनी ओर ऊपर तीन छोटे बिंदु दिखाई देंगे। इन बिंदुओं पर क्लिक करने पर भाषा चयन का विकल्प दिखाई देगा। उपभोक्ता को अपनी सुविधा अनुसार भाषा का चयन करने के बाद राज्य चयन के विकल्प में मध्यप्रदेश को चुनना होगा। राज्य का चयन करने के पश्चात एप पर लोकेशन चयन के विकल्प को चुनना होगा तथा जिस हितग्राही की ई.केवायसी करना है उसका आधार नम्बर एप में दिये गये स्थान पर दर्ज कर ओटीपी जनरेट करने के विकल्प पर क्लिक करना होगा। ओटीपी जनरेट करने के विकल्प पर क्लिक करने के बाद हितग्राही के आधार नम्बर से लिंक मोबाइल फोन पर छह अंकों का ओटीपी प्राप्त होगाए जिसे दर्ज करने बाद उसके नीचे दिखाया गया केप्चा कोड भी दर्ज करना होगा और जमा करें के विकल्प को क्लिक करना होगा। इसके पश्चात लाभार्थी का नामए आधार नम्बर के अंतिम चार अंक आदि विवरण मोबाइल की स्क्रीन पर प्रदर्शित होगा। उसके नीचे फेस ई.केवायसी विकल्प दिखाई देगाए इस पर क्लिक करने पर हितग्राही की ई.केवायसी करने सबंधी सहमति की घोषणा दिखाई देगी। जिसमें स्वीकृति ;।बबमचजद्ध विकल्प पर क्लिक करते ही मोबाइल फोन का फ्रंट कैमरा चालू हो जाएगा।

मोबाइल फोन का फ्रंट कैमरा चालू होने पर जिस हितग्राही की ई.केवायसी करना है उसका चेहरा मोबाइल कैमरा के सामने करना होगा। इस बात का ध्यान रखना होगा कि मोबाइल फोन कैमरा में चेहरा जिस गोले के अंदर दिखाया जा रहा है उसका रंग हरा हो जाये। गोले का रंग हरा हो जाने पर हितग्राही को अपनी पलकों को कैमरा के सामने दो बार झपकाना होगा। इस प्रक्रिया के पूरी हो जाने के बाद मोबाइल फोन की स्क्रीन पर ई.केवायसी सफल होने का संदेश दिखाई देगा। मोबाइल फोन की स्क्रीन पर ई.केवायसी सफल होने के आये इस संदेश का स्क्रीनशॉट लेने की सलाह हितग्राहियों को दी गई है।

राशन हितग्राही का बच्चा या वृद्ध होने की स्थिति में उनके माता.पिता अथवा संतान किसी के भी मोबाइल फोन पर एप डाउनलोड कर उनकी ई.केवायसी की जा सकेगी। मेरा मज़ल्ब् एप में एक ही मोबाइल से परिवार के सभी सदस्यों की ई.केवायसी की जा सकती है। इसके साथ ही हर हितग्राही के पास मोबाइल हो इसकी बाध्यता भी नहीं है। इसका मतलब यह है कि एक ही मोबाइल फोन से कई हितग्राहियों की ई.केवायसी की जा सकती है। जिस हितग्राही की ई.केवायसी की जाना है उसके आधार ओटीपी से जो आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर प्राप्त होगाए लॉगिन किया जाना है। छोटे बच्चे जो 5 वर्ष से कम आयु के हैंए उनकी ई.केवायसी करना भी अनिवार्य है। ऐसे बच्चों की ई.केवायसी करते समय मोबाइल स्क्रीन पर बिम नजी पे दवज ससवूमक वित जीपे हम वि तमेपकमदज संदेश आयेगा। इसका डेटा एनआईसी द्वारा संधारित किया जा रहा है।

एमपी ट्रांसको ने एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के पास बने घातक अनाधिकृत निर्माणों को गिराया

दो रहवासियों के घायल होने के बाद हुई कार्रवाई

जबलपुर ।मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने भोपाल के नारियल खेड़ा स्थित शारदा नगर क्षेत्र में 132 केवी भोपाल-लालघाटी एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के निकट बने अनाधिकृत निर्माणों को आज विधिवत कार्रवाई कर गिरा दिया। यह कदम उस हादसे के बाद उठाया गया, जिसमें दो रहवासी—फरहान खान और गुड्डू खान—गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

यह हादसा 12 अप्रैल को उस समय हुआ जब एक मकान पर सीमेंट की चादर का शेड लगाया जा रहा था और दोनों एक्स्ट्रा हाई टेंशन लाइन के इंडक्शन ज़ोन के संपर्क में आ गये। इस घटना के कारण लाइन में ट्रिपिंग आई और करीब 9 मिनट तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही।

एमपी ट्रांसको भोपाल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस. के. दुबे ने बताया कि दुर्घटना के बाद की गई लाइन पेट्रोलिंग के दौरान यह पाया गया कि उक्त निर्माण सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करता है और इससे मानव जीवन को खतरा है। इसीलिए शारदा नगर के मकान नंबर 470 (गुड्डू खान), 448 (खलील खान) और 361 (नसीम खान) के अनधिकृत निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही की गई ।

श्री दुबे ने यह भी बताया कि भोपाल में अब तक लगभग 275 स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहाँ ऐसे ही घातक और असुरक्षित निर्माण हुए हैं। इन सभी स्थानों के भवन स्वामियों को अब तक करीब 900 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। पुन: उन्हें समझाइश दी जा रही है और आवश्यकतानुसार कार्रवाई की जा रही है।

भोपाल में यह हैं संवेदनशील क्षेत्र=

गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, करौंद, रतनपुरा कॉलोनी, देवकीनगर, लालघाटी, नारियल खेड़ा, जैन कॉलोनी, आनंद नगर, साईनाथ इंटरप्राइजेस, विश्वकर्मा नगर, शिव नगर, बैरागढ़, रतन कॉलोनी व शारदा नगर को अति संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया गया है।

कार्रवाई में शामिल रहे ये अधिकारी-कर्मचारी

इस कार्रवाई में कार्यपालन अभियंता श्री रवि चौरसिया, सहायक अभियंता श्री अंकित महरोलिया, निकट भविष्य में सेवानिवृत्त होने वाले वरिष्ठ लाइन स्टाफ श्री पूनाजी गलफाट, श्री रामप्रीत, तथा आउटसोर्स कर्मी श्री सतीश व श्री राजेन्द्र भारती सहित अन्य टीम सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोराबजार में डाक्टर अमित सुलखिया उम्र 35 वर्ष निवासी शिवलाल विला बिलहरी ने लिखित शिकायत की भवन निर्माण हेतु अनुपम ज्योतिषी निवासी मंडला से परिचय उसके घनिष्ठ मित्र मयंक नामदेव के माध्यम से हुआ था मयंक नामदेव ने उसे यह बताया कि अनुपम ज्योतिषी पंचायत का ठेकेदार एव टेन्डर्स ईट, रेत गिट्टी लोहा का कारोबारी है इसी विश्वास के तहत उसने भवन निर्माण के लिये अनुपम ज्योतिष से लोहे एंव निर्माण सामग्री खरीदने की बातचीत कर लोहा खरीदने हेतु कुल 1 लाख 34 हजार रूपये आनलाईन यूपीआई के माध्यम से दिये थे

कांग्रेसजनों ने कलेक्ट्रेट का घेराव कर प्रदर्शन किया, ईडी की चार्जशीट में सोनिया-राहुल के नाम से भड़का आक्रोश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में कांग्रेसजनों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ कलेक्ट्रेट का घेराव कर प्रदर्शन किया. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार व एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पहली चार्जशीट दाखिल कर दी. इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा व सुमन दुबे के नाम शामिल हैं. इसके विरोध में बुधवार को कांग्रेस पार्टी ने देशभर में ईडी अफिसों व कलेक्टरेट कार्यालयों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया. जबलपुर में वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक मिश्रा, विधायक लखन घनघोरिया व नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्टरेट का घेराव किया. कलेक्ट्रेट कार्यालय में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गेट कूदकर परिसर तक पहुंच गए. जहां मुश्किल से पुलिस ने उन पर काबू पाया और गिरफ्तारी की. नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा के नेतृत्व में जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गेट के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे. वहीं कुछ लोग दूसरे गेट से कलेक्ट्रेट के अंदर घुसकर विरोध प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे. कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 11 साल में सिर्फ विपक्ष के नेता ही ईडी की कार्रवाई के घेरे में आ रहे हैं. इन्होंने कभी भी अपनी पार्टी के नेताओं की जांच नहीं करवाई है. इससे स्पष्ट होता है कि ईडी व सीबीआई का दुरुपयोग सरकार द्वारा किया जा रहा है और वह विपक्ष को दबाना चाहती है. मगर आज भारत के कोने-कोने में कांग्रेस का कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर भाजपा का विरोध कर रहा है. करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने दो दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है. ओमती थाना प्रभारी का कहना था कि धारा 144 लागू होने के बाद भी ये लोग परिसर के भीतर तक घुस गए थे जो कि गलत था. लिहाजा इन सभी को गिरफ्तार किया जा रहा है. कांग्रेस के आंदोलन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक मिश्रा, विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व अध्यक्ष दिनेश यादव, अध्यक्ष सौरभ शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष नीलेश जैन, नेता प्रतिपक्ष अमरीष मिश्रा, प्रदेश प्रतिनिधि रमेश चौधरी, चिंटू चौकसे, अनुराग जैन गढ़ावाल, पार्षद अयोधया तिवारी, संतोष पंडा, अतुल बाजपेई, वकील अंसारी, अनुपम बेटियां, याकूब अंसारी, गुलाम हुसैन, राजेश यादव, युवक कांग्रेस विजय रजक, रिजवान अली कोटी, शमीम अंसारी आदि भी उपस्थित थे

ससुराल पहुंचकर युवक ने लगाई फांसी, पति को फंदे पर लटकते देख चीख पड़ी पत्नी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित दिनारी खमरिया (सिहोरा) अपनी ससुराल पहुंचे सत्यम गुप्ता ने फांसी लगा ली. पति सत्यम को फांसी के फंदे पर लटकते देख पत्नी अनुराधा चीख पड़ी. किसी तरह फंदा से निकालकर अस्पताल पहुंचाया. जहां पर डाक्टरों ने सत्यम को मृत घोषित कर दिया.

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सिहोरा के सकरी मोहल्ला खितौला में रहने वाले सत्यम गुप्ता उम्र 19 वर्ष ने दिनारी खमरिया मेंरहने वाले अनुराधा गौंड़ से करीब एक साल पहले प्रेम विवाह किया था. 22 मार्च को अनुराधा ने सिहोरा अस्पताल में बेटी को जन्म दिया. इसके बाद से अनुराधा अपने मायके दिनारी खमरिया में रह रही थी. बीती दोपहर तीन बजे सत्यम गुप्ता ससुराल पहुंचा. शराब के नशे में सत्यम ने अपनी पत्नी से कहा कि ससुराल वालों ने उसे परेशान किया है.

पत्नी अनुराधा से बातचीत के दौरान सत्यम ने खाना मांगा, अनुराधा खाना लेने किचन में गई. इस दौरान सत्यम ने पाइप में साड़ी का फंदा डालकर फांसी लगा ली. पत्नी खाना लेकर आई तो देखा कि पति सत्यम फांसी के फंदे पर झूल रहा है. अनुराधा ने शोर मचाते हुए फंदे से सत्यम को निकाला और परिजनों की मदद से शासकीय अस्पताल सिहोरा लेकर पहुंची. जहां पर डाक्टरों ने जांच के बाद सत्यम को मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है. पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट व जांच में जो भी तथ्य सामने आएगे उस आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी.

जबलपुर में भाजपा नेताओं का ऑडियो वायरल होने पर हंगामा

जैन समाज पर अभद्र टिप्पणी से भड़का आक्रोश, लोगों ने किया कोतवाली थाना का घेराव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में जैन समाज पर अभद्र टिप्पणी करने का आडियो वायरल होने से लोग आक्रोशित हो गए. समाज के लोगों ने देर रात कोतवाली थाना का घेराव कर प्रदर्शन व नारेबाजी शुरु कर दी. उक्त आडियो भाजपा नेताओं के बीच बातचीत के दौरान की गई समाज पर अभद्र टिप्पणी करने का है. वहीं दूसरी ओर भाजपा नेताओं का कहना है कि उनकी आवाज से आडियो एडिट कर वायरल किया गया है, उन्होने ऐसी कोई भी बात नहीं की है. इसे लेकर विजय नगर थाना में शिकायत दी गई है.

चर्चाओं में यह बात सामने आई है कि आडियो में जैन व मुस्लिम समाज को एक बताया जा रहा है. इसके अलावा रावण को भी जैन समाज से जुड़ा होना बताया गया है. इस आडियो के वायरल होने के बाद जैन समाज के लोग आक्रोशित हो गए, उन्होने रात 12 बजे के लगभग कोतवाली थाना का घेराव कर प्रदर्शन शुरु कर दिया. खबर मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने मामले की जांच कर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया.

इसके बाद समाज के लोग वापस लौटे. कोतवाली थाना के सामने करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन व घेराव के दौरान दोनों ओर के रास्ते जाम हो गए थे. मामले को लेकर जैन पंचायत सभा के अध्यक्ष कैलाश जैन ने बताया कि ये ऑडियो विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह व मंडल अध्यक्ष जागृति शुक्ला का है. उनकी तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए. ये दोनों जैन समाज की तुलना अशोभनीय स्तर से मुसलमानों से कर रहे थे, रावण बता रहे हैं.

हमारा जैन समाज 80 से 90 प्रतिशत भाजपा पार्टी से जुड़ा है, लेकिन ये नेता कह रहे हैं कि मुस्लिम तो पाकिस्तान चले जाएंगे, ये जैन कहां जाएंगे. उन्होने यह भी कहा कि उत्तर मध्य विधानसभा में विद्यासागर मंडल का जब गठन किया गया तो पूरा जैन समाज खुश था. लेकिन भाजपा के कुछ नेता वहां पर बैठकर आचार्य विद्यासागर जी महाराज के विषय में अशोभनीय बात करते हैं. भाजपा नेताओं का ऑडियो विधायक प्रतिनिधि की फेसबुक आईडी से वायरल हुआ था, जिसे बाद में डिलीट कर दिया गया.

बताया जा रहा है कि करीब 4 मिनट 40 सेकेंड का वायरल ऑडियो भाजपा की मंडल अध्यक्ष जागृति शुक्ला व उत्तर मध्य विधानसभा से विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह का है. इस घटनाक्रम को लेकर एएसपी आनंद कलादगी ने जैन समाज के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए उन्हे मामले में वैधानिक कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया है. उन्होने कहा कि वायरल आडियो की जांच कराई जा रही है.

वहीं दूसरी ओर जैन पंचायत सभा ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में जल्द गिरफ्तारियां नहीं की गई तो जिले भर में जैन समाज सड़कों पर आकर उग्र आंदोलन करेगा.

भाजपा नेताओं ने कहा कि आडियो में आवाज हमारी नहीं है

इस मामले के तूल पकड़ते ही भाजपा नेता शैलेन्द्रसिंह ने वीडियो जारी कर कहा है कि आडियो में मेरी आवाज नहीं है. कुछ समय पहले मेरे मोबाइल फोन पर एक मित्र ने आडियो क्लिप भेजी थी, उसे सुनकर मैं बहुत आहत हुआ, मैं ऐसी बात कर ही नहीं सकता हूं. विरोध ने मेरी आवाज को मिक्स करके आडियो बनाया है. मैं कई वर्षो से पूर्व मंत्री शरद जैन व भाजपा के जैन समाज के लोगों के साथ जुड़ा हूं. मेरे जैन समाज में पारिवारिक संबंध है. वहीं भाजपा मंडल अध्यक्ष जागृति शुक्ला का भी यही कहना है कि वायरल आडियो मेरा नहीं है, मेरी आवाज को मिक्स किया गया है.

भाजपा नगर अध्यक्ष ने कहा, जांच से पहले कुछ भी कहना ठीक नही

भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने मामले में कहा कि आडियो मेरे संज्ञान में आया है लेकिन किसी पर भी आरोप लगाने से पहले जांच करा ली जाए. हो सकता है आडियो फर्जी हो. पुलिस अधिकारियों `से वायरल आडियो की जांच कराने की बात की गई है. इसके बाद जो भी तथ्य सामने आएगे उसपर कार्यवाही की जाएगी.

स्वामी राघव देवाचार्य को धमकी देने वाला युवक हिरासत में, अन्य पांच युवक राउंडअप

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में दिगंबर अखाड़े के जगतगुरु स्वामी राघव देवाचार्य को सोशल मीडिया पर सिर तन से जुदा करने की धमकी देने वाले एक युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है. आरोपी अकील अंसारी पिता अलाउद्दीन अंसारी गोहलपुर क्षेत्र का रहने वाला है. पुलिस ने इस मामले में 5 अन्य युवकों को भी राउंडअप किया हैए जो संदेह के दायरे में हैं. इस मामले की शिकायत मिलने के बाद साइबर सेल व मदनमहल थाना पुलिस की टीम जांच में जुट गई. जांच के दौरान कई सोशल मीडिया अकाउंट की जांच की गई. जिसमें एक अकाउंट से धमकी भरी पोस्ट सामने आई. प्रारंभिक जांच में यह संकेत भी मिले हैं कि आरोपी अकेला नही, बल्कि उसके साथ अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं. गौरतलब है कि स्वामी राघव देवाचार्य को 13 अप्रैल को इंस्टाग्राम के माध्यम से दो दर्जन से अधिक आपत्तिजनक मैसेज भेजे गए थे. इन संदेशों में उन्हें सिर तन से जुदा करने व जान से मारने की धमकियां दी गई थीं. यह धमकियां तब दी गईं, जब उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं व धर्म के खिलाफ की गई टिप्पणियों का विरोध किया था.

इससे पहले 8 अप्रैल को हनुमान ताल निवासी अब्दुल मजीद द्वारा बूढ़ी माता को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में संत समाज ने 9 अप्रैल को थाने का घेराव किया था. पुलिस ने 11 अप्रैल को अब्दुल मजीद को गिरफ्तार कर उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की.

जबलपुर में लग्जरी कार से 13 लाख की शराब जब्त

बेलखाडू और घाना में आबकारी विभाग की दबिश, दो आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में मंगलवार को आबकारी विभाग ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। टीम ने एक लग्जरी कार से सप्लाई हो रही लगभग 13 लाख रुपए की देसी शराब जब्त की है। एक सफारी गाड़ी भी बरामद की गई है। जिसमें यह शराब रखी गई थी।

जुए के फड़ पर छापा, 7 जुआडी गिरफ्तार

नगद 1 लाख 70 हजार 500 रूपये एवं 2 कार जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि माढोताल ग्राम पोडी स्थित भारिया गौंटिया के खाली पडे मकान में कुछ लोग ताश पत्तों पर रूपये पैसो का दाव लगा कर जुआ मन्ना खेलते हुये अवैध लाभ अर्जित कर रहे है। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में क्राईम ब्रांच एवं थाना माढोताल की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम पोडी भारिया गोंटिया के खाली पडे मकान के पास दबिश दी भारिया गोटिया के खाली मकान के बाहर दो कार एक टोयोटा इनोवा क्रमांक एमपी 49 जेड 6723 एवं हुंडई कंपनी की आई 20 कार क्रमांक एमपी 20 सीबी 6230 खडी हुई थी, विधिवत घेराबंदी कर घर के अंदर दबिश दी गई कमरे के अंदर 08 व्यक्ति रूपये पैसो पर हारजीत का दांव लगाकर जुआ मन्ना खेलते हुये दिखे जो भागने का प्रयास करने लगे जिनमें से एक जुआड़ी पुलिस को देखकर भागने में सफल हो गया घेराबंदी कर 07 जुआडियों को पकडा, पूछताछ पर जिन्होने अपना नाम क्रमश: 1.शुभम असाटी उम्र 30 साल निवासी चाँदनी चौक इन्द्राना थाना मझौली, 2. नरेन्द्र कुमार गुप्ता उम्र 40 साल निवासी ग्राम चनगंवा थाना मझौली, 3.सतीश जैन उम्र 40 साल निवासी साउथ मिलौनीगंज थाना गोहलपुर, 4.मनोज महेरे उम्र 51 साल निवासी ग्राम पौढी थाना माढोताल, 5. रूपेश सोनी उम्र 38 साल निवासी सुनरहाई चौक सराफा बाजार थाना कोतवाली 6. सतेन्द्र कुमार रजक उम्र 44 साल निवासी बसुंधरा स्कूल के पास केवलारी हाल- प्रेमनगर बाईट पर्ल होटल के पास थाना गढा, 7.राजकुमार असाटी उम्र 55 साल निवासी वासु डेयरी के पास एस बी आई कालोनी थाना विजयनगर बताते हुये भागने वाले जुआडी का नाम बृजेन्द्र कोरी उर्फ डेम निवासी करेली नरसिंहपुर बताये । जुआडियों के पास एवं फड़ से कुल नगद 1 लाख 70 हजार 500 रूपये एवं 52 तास के तथा टोयोटा इनोवा क्रमांक एमपी 49 जेड 6723 एवं हुंडई कंपनी की आई 20 कार क्रमांक एमपी 20 सीबी 6230 जप्त करते हुये शुभम असाटी, नरेन्द्र कुमार, सतीश जैन, मनोज महेरे, रूपेश सोनी, सतेन्द्र जैन, राजकुमार असाटी, तथा फरार आरोपी बृजेन्द्र कोरी उर्फ डेम निवासी करेली नरसिंहपुर के विरूद्ध थाना माढोताल में धारा 3/4, 13 जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5,संजय गांधी मार्केट नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/सं.क्रं. 5/2025-26/ एम .05 दिनांक - 16/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती रश्मि जैन, पति- श्री सम्राट जैन** ने भवन क्रं. 772 **वार्ड महात्मा गांधी वार्ड**, क्षेत्रफल 540 व.फु., भूतल 540 व.फु. व्या., प्रथमतल 243 व.फु. आ., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा भवन क्रं. 772 पर नामांतरण हेतु, पंजीकृत स्वामी श्रीमती सिंघई भूरी बाई, पति- पदमचंद जेन भवन क्रं. 772 ण्एपिन नं. 1000369637/ 41400914 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-05** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5,संजय गांधी मार्केट नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5,संजय गांधी मार्केट नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/सं.क्रं. 5/2025-26/ एम .06 दिनांक - 16/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती विनीता जैन, पति- श्री राजीव कुमार जैन** ने भवन क्रं. 772 का भाग **वार्ड महात्मा गांधी वार्ड**, क्षेत्रफल 1480 व.फु., भूतल 1218 व.फु. आ., प्रथमतल 611 व.फु. आ., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा भवन क्रं. 772 का भाग पर नामांतरण हेतु, पंजीकृत स्वामी श्रीमती सिंघई भूरी बाई, पति- पदमचंद जेन भवन क्रं. 772 का भाग पिन नं. 1000369637/ 41400914 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-05** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5,संजय गांधी मार्केट नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5,संजय गांधी मार्केट नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/सं.क्रं. 5/2025-26/ एम .04 दिनांक - 16/04/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती विनीता जैन, पति- श्री राजीव कुमार जैन** ने भवन क्रं. 785 का भाग **वार्ड जवाहरगंज वार्ड**, क्षेत्रफल 325 व.फु.,भूतल 325 व.फु. व्या., प्रथमतल 325 व.फु. व्या., द्वितीयतल 325 व.फु. व्या., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा भवन क्रं. 785 का भाग पर नामांतरण हेतु, पंजीकृत स्वामी श्रीमती विमला देवी खण्डेलवाल, पति- श्री कैलाश नाथ खण्डेलवाल, भवन क्रं. 785 का भाग पिन नं. 1000393134/ 41400927 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-05** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-5,संजय गांधी मार्केट नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999